उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी...

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

(वर्ष-9 अंक-32)

पृष्ठ 8 मूल्य 2/रुपया

सोमवार 09 सितंबर, 2024

गणेशोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

अधिवक्ता पेंशन देने वाला झारखंड बना देश का पहला राज्य: पं रवीन्द्र शर्मा 8

विधायक ने 23 रोगियों को सीएम से दिलाए 36.61 लाख रुपये 7

कानपुर में अब फर्रूखाबाद रूट पर कालिंद्री एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश

तेज धमाका सुन लोको पायलट ने लगाई इमरजेंसी ब्रेक, दो लोगों के भागने की आशंका

कानपुर। प्रयागराज से भिवानी जा रही कालिंद्री एक्सप्रेस को रविवार रात करीब आठ बजे बर्राजपुर- बिल्हौर स्टेशन के बीच स्थित मुडेरी गांव की क्रासिंग के पास ट्रैक पर सिलिंडर रखकर पलटाने की कोशिश की गई। तेज रफ्तार ट्रेन से टकराने के बाद सिलेंडर करीब 50 मीटर दूर जा गिरा। चालक ने ट्रेन रोक दी।

ट्रेन वहां करीब 20 मिनट तक खड़ी रही। चालक ने क्रासिंग पर तैनात गेटमैन को मामले की जानकारी दी। इसके बाद रेलवे और पुलिस अधिकारियों को घटना से अवगत कराया गया। आनन फानन में मौके पर पहुंचे पुलिस अधिकारियों को वहां पेट्रोल भरा बोतल, माचिस और झोले में बारूद मिला। पास स्थित झाड़ियों में लोगों के बैठने के निशान भी मिले। फोरेंसिक की टीम ने वहां जांच की।

भिवानी जा रही ट्रेन नंबर 14117 कालिंदी एक्सप्रेस रात करीब सवा आठ बजे बर्राजपुर स्टेशन से बिल्हौर के लिए आगे बढ़ी तो मुडेरी गांव स्थित क्रासिंग के पास ट्रैक पर रखे एलपीजी सिलिंडर से टकरा गई। इससे सिलेंडर में तेज धमाका हुआ और वह करीब 50 मीटर दूर जा गिरा।

आनन फानन में लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन को रोका और घटना की जानकारी गार्ड राजीव व गेट मैन पप्पू पाल को दी। धमाके की आवाज से यात्री भी घबरा गए। गेटमैन व अन्य अधिकारियों को सूचना देने के बाद वहां से लोको पायलट ट्रेन लेकर रवाना हो गया। हालांकि बिल्हौर स्टेशन पर फिर ट्रेन को रोक लिया गया। कुछ देर जांच पड़ताल के बाद ट्रेन वहां से भिवानी के लिए रवाना हुई।

लखनऊ से बांद्रा टर्मिनस के लिए जा रही लखनऊ- बांद्रा एक्सप्रेस को भी बिल्हौर स्टेशन पर आधे घंटे के लिए रोका गया। घटनास्थल पर पेट्रोल से भरी बोतल, माचिस और एक संदिग्ध झोला बरामद हुआ। झोले में बारूद और माचिस रखी हुई थी। पास स्थित झाड़ियों में दो लोगों के छिपे होने की आशंका जताई जा रही है।

धमाके के बाद वे लोग भाग गए। यह संयोग ही था कि गैस से भरा सिलेंडर नहीं फटा और ट्रेन पटरी से नहीं उतरी अन्यथा बड़ी जनहानि हो सकती थी। सूचना पर अनवरगंज स्टेशन के रेलवे अधीक्षक, आरपीएफ और अन्य अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल की जांच की।

डीसीपी पश्चिम राजेश कुमार सिंह और आसपास थानों की फोर्स भी वहां पहुंची और जांच की। डीसीपी पश्चिम राजेश कुमार सिंह ने बताया कि टोल टैक्स के पास साइड में भरा हुआ गैस सिलेंडर मिला है। बोरी में भी कुछ पाउडर मिले हैं। बम निरोधक दस्ता व अन्य टीमें जांच कर रही हैं।

पुनिया को जान से मारने की मिली धमकी

व्हाट्सएप पर भेजा गया मैसेज, पुलिस ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। किसान कांग्रेस के वर्किंग चेयरमैन बने बजरंग पूनिया को जान से मारने की धमकी मिली है। जानकारी के मुताबिक, एक विदेशी नंबर से बजरंग के व्हाट्सएप पर धमकी भरा मैसेज भेजा गया है। मैसेज में लिखा था कि बजरंग कांग्रेस छोड़ दो वरना तेरे और तेरे परिवार के लिए अच्छा नहीं होगा, ये हमारा आखिरी संदेश है। चुनाव से पहले हम दिखा देंगे हम क्या चीज हैं। जहां शिकायत करनी है करले ये हमारी आखिरी और पहली चेतावनी है।

धमकी भरा मैसेज मिलते ही बजरंग पुनिया ने सोनीपत के बहालगढ़ थाना में शिकायत दर्द करा दी है और पुलिस ने जांच भी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, बजरंग की सुरक्षा को बढ़ाया जा रहा है। इसके अलावा पुलिस का कहना है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और जरूरी कदम उठाए जाएंगे।

बजरंग पुनिया ने शुक्रवार को विनेश फोगाट के साथ कांग्रेस पार्टी ज्वाइन की थी। इसके बाद पार्टी ने उन्हें अखिल भारतीय किसान कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया था। बता दें, 4 सितंबर को राहुल गांधी से मुलाकात के बाद दोनों पहलवानों ने कांग्रेस में शामिल होने का फैसला किया था।

पुनिया ने रविवार को कांग्रेस में शामिल होने पर हो रही राजनीति पर कहा, %मैं एक एथलीट और किसान का बेटा हूं, पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसके अनुसार मुझे लगता है कि मैं किसानों की चिंताओं को बेहतर तरीके से उठा सकता हूं। बृजभूषण और भाजपा को दिक्कत है (कि हम कांग्रेस में शामिल हो गए)। अगर हम भाजपा में शामिल होते तो हम देशभक्त बन जाते, लेकिन कांग्रेस में शामिल होने के कारण वे हमें देशद्रोही कह रहे हैं। हम अपने नेता राहुल गांधी और उनके संघर्ष के साथ हैं। वे सभी वर्गों की आवाज उठा रहे हैं, चाहे वह किसान हों, युवा हों या एथलीट।

लखनऊ बिल्डिंग हादसा: मालिक के खिलाफ एफआईआर दर्ज

लखनऊ। लखनऊ के ट्रांसपोर्ट नगर में एक इमारत ढहने के मामले में रविवार को यहां सरोजिनी नगर थाने में एफआईआर दर्ज कर ली गई। बताया जा रहा है कि ट्रांसपोर्ट नगर के चौकी इंचार्ज ने बिल्डिंग के मालिक राकेश सिंघल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इसके अलावा, बचाव अभियान में जुटी टीम ने मलबे में फंसे 35 लोगों को बाहर निकाल लिया है।इसके बाद रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकबंधु अस्पताल पहुंचे। यहां उन्होंने घायलों से मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। सीएम योगी ने डॉक्टरों को घायलों की बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए।

दरअसल, सरोजनी नगर थाना क्षेत्र के ट्रांसपोर्ट नगर में शनिवार शाम 4.45 बजे एक बिल्डिंग गिर गई थी। पुलिस ने बताया कि इमारत करीब चार साल पहले बनी थी। बिल्डिंग में ग्राउंड फ्लोर पर फिलहाल कुछ काम चल रहा था। इसी दौरान इमारत अचानक भरभराकर गिर गई।

बंगाल मेडिकल काउंसिल की बड़ी कार्रवाई, संदीप घोष के करीबी 3 डॉक्टर निलंबित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल (डब्ल्यूबीएमसी) ने शनिवार को आर जी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल के पूर्व विवादास्पद प्राचार्य संदीप घोष के करीबी तीन डॉक्टरों को निलंबित करने की घोषणा की। इन डॉक्टरों में बर्दवान मेडिकल कॉलेज के रेडियोडायग्नोसिस विभाग के पूर्व रेजिडेंट चिकित्सा अधिकारी (आरएमओ) अविक डे, पैथोलॉजी विभाग से जुड़े पूर्व वरिष्ठ रेजिडेंट डॉक्टर बिरुपाक्षा बिस्वास, और मिदनापुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के जूनियर डॉक्टर मुस्तफिजुर रहमान मलिक शामिल हैं।तीनों के खिलाफ घोष और सत्तारूढ़ दल के नेताओं के साथ अपनी निकटता का उपयोग अपने संबंधित कार्यस्थलों पर जूनियर डॉक्टरों को धमकाने और परेशान करने के आरोप हैं। पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विभाग ने पांच सितम्बर को डे और बिस्वास को राज्य चिकित्सा सेवाओं से निलंबित करने की घोषणा की थी। इसके अलावा डे के खिलाफ विभागीय जांच भी शुरू की गई है। बिस्वास के निलंबन का आदेश तब जारी किया गया जब उन्हें पूर्वी बर्दवान जिले के बर्दवान मेडिकल कॉलेज से दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप उप-विभागीय अस्पताल में स्थानांतरित किया गया था इस बीच शनिवार को काउंसिल ने संदीप घोष को भी कारण बताओ नोटिस जारी किया। वे वर्तमान में सीबीआई की हिरासत में हैं। वह अगले तीन दिनों के भीतर कारण बताओ नोटिस का कोई उत्तर नहीं देते हैं तो काउंसिल से उनका पंजीकरण रद्द किया जा सकता है।

सभी लोगों को गणेशोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

विज्ञापन कार्यालय-130/ 4 - बाबू पुरवा कॉलोनी, किदवई नगर, कानपुर

नवीन गुप्ता (विज्ञापन प्रतिनिधि)

बीपीएस न्यूज समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) में विज्ञापन लगवाने के लिए संपर्क करें। मो. 9839625941

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को

गणेशोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें www.bpsnews.in

सम्पादक (बी.पी.साहू)

मो.8423454502,9335908846

सभी लोगों को गणेशोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

Owner Management Suresh Sahu

M.-8303637506, 9792526852

NEW SAHU FAMILY RESTAURANT

638y-1, Block Kidwai Nagar

Near -Dasu Kunwa Chauraha Noubasta Kanpur

Web .site—www.sahufamilyrestaurant.com

सभी लोगों को गणेशोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादकीय

जल्दीबाजी का कानून

हाल ही में कोलकाता में एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार और हत्या की घटना ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। इसको लेकर पश्चिम बंगाल व देश के अन्य भागों में चिकित्सा बिरादरी के लोग व छात्र-छात्राएं आंदोलनरत रहे हैं। निश्चित ही यह दुर्भाग्यपूर्ण व दुखद घटना थी। लेकिन इस मुद्दे को लेकर जिस तरह की राजनीति होती रही है, वह और भी दुर्भाग्यपूर्ण है। विडंबना है कि एक अमानवीय घटना को राजनीतिक अस्त्र बनाने और उसका प्रतिकार करने का माध्यम बना दिया गया। इसी कड़ी में आनन-फानन में बुलाए गए पश्चिम बंगाल विधानसभा के सत्र में जल्दीबाजी में बलात्कार विरोधी विधेयक 'अपराजिता' पारित कर दिया गया। यदि किसी महिला के साथ बलात्कार के बाद मृत्यु हो जाती है या उसे छोड़ भी दिया जाता है, तो विधेयक बलात्कारी के लिये मृत्युदंड का प्रावधान करता है। कहा जा रहा है कि दुराचार के बाद युवा डॉक्टर की निर्मम हत्या के बाद पश्चिम बंगाल में जो आक्रोश आम लोगों में उपजा है उसको दबाने की यह एक राजनीतिक निहितार्थ वाली प्रतिक्रिया है। दरअसल, यह विधेयक जनता के व्यापक विरोध के बाद सामने आया है। जनता ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार से न्याय और जवाबदेही की मांग करती रही है। वहीं राज्य सरकार का दावा है कि विधेयक का उद्देश्य महिलाओं की सुरक्षा को लेकर शासन की प्रतिबद्धता के प्रति आश्वस्त करना है। हालांकि, ममता सरकार द्वारा आनन-फानन में लाए गए विधेयक ने इस बात को लेकर बहस छेड़ दी है कि यह कदम राज्यव्यापी असंतोष को शांत करने के लिये महज राजनीति से प्रेरित प्रतिक्रिया है। दरअसल, राज्य में तृणमूल कांग्रेस के नेता जनता के भारी विरोध का सामना कर रहे हैं। हाल ही में आंदोलनकारी प्रशिक्षु डॉक्टरों पर भीड़ के हमले और प्रदर्शन के दौरान पुलिस के दमन से लोगों में भारी गुस्सा है। यही नहीं, टीएमसी के कई नेताओं की असंवेदनशील टिप्पणियों ने भी आंदोलनकारियों के आक्रोश को और बढ़ाया है।

दरअसल, राज्य के लोगों खासकर महिलाओं में इस बात को लेकर भी गुस्सा है कि जिस राज्य में एक महिला मुख्यमंत्री हो, वहां एक युवा महिला डॉक्टर के साथ दुराचार व हत्या के मामले में राज्य सरकार ने ईमानदार प्रतिक्रिया नहीं दी। टीएमसी के कई नेताओं द्वारा की गई अनर्गल बयानबाजी ने भी आग में घी डालने का काम किया। दरअसल, राज्य सरकार ने इस कांड में किरकिरी होते देख मामले को दबाने का प्रयास किया। पीड़िता के परिवार ने भी उनके साथ किये गए व्यवहार को लेकर तीखा प्रतिवाद किया था। फिर प्राथमिकी दर्ज करने में देरी व मेडिकल कालेज के परिसर में आंदोलनरत छात्रों पर एक भीड़ के हमले ने यह संदेश दिया कि मामले को दबाने की कोशिश हो रही है। इस तरह के कृत्यों से राज्य में घटना का विरोध और तेज होता चला गया। निस्संदेह, इस मुद्दे पर विपक्षी दलों द्वारा जमकर राजनीति की गई, लेकिन जिस तरीके से राज्य सरकार व प्रशासन ने मामले में प्रतिक्रिया दी, उसने लोगों के गुस्से को बढ़ाया ही है।

बदलते वक्त के साथ चुनौतियों का दायित्व

उस ज्ञान की चर्चा अपने शिष्यों के साथ की, जिनका वर्णन उपनिषदों में मिलता है। दरअसल, शिक्षक, आचार्य, गुरु और सद्गुरु इन्हीं व्यक्तियों के नाम हैं। जिन्होंने अपने ज्ञान, आचरण, प्राण और चेतना द्वारा अपने परिसर को अनुप्राणित किया है, पुष्पित और पल्लवित किया है।भारतीय चिंतन में जिस दिन चंद्रमा पूरा निकलता है, उस दिन पूर्णमासी होती है, एक पर्व होता है, त्योहार होता है, कभी उस त्योहार पर रक्षाबंधन होता है, कभी गुरु पर्व होता है, कभी होली होती है और कभी गुरु पूर्णिमा भी मनाई जाती है। गुरु पूर्णिमा मनाने के पीछे जो दर्शन है, वह दर्शन हमें हमारे गुरुओं, आचार्यों और सद्गुरुओं के नमन-वंदन, स्वागत-अभिनंदन करने को प्रेरित करता है।

भारतीय चिंतन में शिक्षक, आचार्य, गुरु और सद्गुरु का वर्णन लगभग प्रत्येक ग्रंथ में उपलब्ध है। भारत ने ज्ञान के स्रोत वेदों को लिपिबद्ध किया और विश्व को उस ज्ञान से परिचित कराया। हम सदैव कंगूरे की ईंट के गीत गाते हैं नींव की ईंट के गीत कौन गाता है? हम उस बीज को भूल जाते हैं जिसने गलकर इस वृक्ष का निर्माण किया था। वृक्ष का निर्माण बिना बीज के गले नहीं हो सकता। जिन ऋषि- मुनियों ने वेदों व उपनिषदों की रचना की, वह किसी लोभवश नहीं बल्कि सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय की धारणा को मन में रखकर उन्होंने उस ज्ञान को लिपिबद्ध किया। उस ज्ञान की चर्चा अपने शिष्यों के साथ की, जिनका वर्णन उपनिषदों में मिलता है। दरअसल, शिक्षक, आचार्य, गुरु और सद्गुरु इन्हीं व्यक्तियों के नाम हैं। जिन्होंने अपने ज्ञान, आचरण, प्राण और चेतना द्वारा अपने परिसर को अनुप्राणित किया है, पुष्पित और पल्लवित किया है।

भारतीय चिंतन में जिस दिन चंद्रमा पूरा निकलता है, उस दिन पूर्णमासी होती है, एक पर्व होता है, त्योहार होता है, कभी उस त्योहार पर रक्षाबंधन होता है, कभी गुरु पर्व होता है, कभी होली होती है और कभी गुरु पूर्णिमा भी मनाई जाती है। गुरु पूर्णिमा मनाने के पीछे जो दर्शन है, वह दर्शन हमें हमारे गुरुओं, आचार्यों और सद्गुरुओं के नमन-वंदन, स्वागत-अभिनंदन करने को प्रेरित करता है। जिसमें हम अपने आचार्यों के प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करते हैं।

आज 5 सितंबर है, जिसे भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन के उपलक्ष्य में, शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुरु पूर्णिमा और शिक्षक दिवस हम सबको यही प्रेरणा देते हैं कि हमें ज्ञान के स्रोत से जुड़े हुए व्यक्तियों का आदर और सम्मान करना चाहिए। वह सम्मान हमारे चिंतन में, हमारे व्यवहार में, हमारी वाणी में, हमारे कार्यों में परिलक्षित होना चाहिए। जिनके लिए हमारे मन में आदर व सम्मान का भाव होता है, हम उनका कहना मानते हैं। हम जिनका कहना मानते हैं, वह हमारे कार्य व्यवहार का अंग बन जाता है, व्यवहार व्यक्तित्व का दर्पण होता है। हमारे व्यक्तित्व से हमारे शिक्षक, आचार्य द्वारा सिखाई गई शिक्षा ही दिखाई देती है। जहां हमारी भौतिक उपस्थिति नहीं होती है, वहां पर हमारे यह गुण-अवगुण ही हमारा प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए हमें शिक्षकों का सम्मान करना चाहिए।

शिक्षक वह होता है जो जानता है कि बेहतर शिक्षण के लिए मन और मानसिकता का मेल होना आवश्यक है। शिक्षक ज्ञान का मानव कम्प्यूटर/संगम है। शिक्षण संस्थान के निर्माण में शिक्षक का कौशल और दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। शिक्षक को भावनाओं से निपटना आना चाहिए। वर्तमान में शिक्षक को डिजिटल शिक्षा के प्रसार से निपटने के लिए शिक्षण और सीखने के डिजिटल तरीकों को सीखने की आवश्यकता है। शिक्षक को स्वयं जागरूक होने और छात्रों में नई शिक्षा पद्धति, गतिविधियों, कार्यक्रमों और मूल्यांकन प्रक्रिया के बारे में जागरूकता पैदा करने की आवश्यकता है। शिक्षक जागरूकता को व्यवहार में बदलने में सक्षम होने चाहिए। यह शिक्षक ही है जो शिक्षण संस्थानों में मूल्य संस्करण लाता है। शिक्षक को कभी भी छात्रों के साथ उनकी जाति, धर्म और क्षेत्र के आधार पर व्यवहार नहीं करना चाहिए। एक शिक्षक सभी जातियों, धर्मों और क्षेत्रों से संबंधित होता है, या किसी से भी नहीं। शिक्षक को कभी भी अयोग्य छात्रों की प्रशंसा नहीं करनी चाहिए और कभी भी स्वार्थी उद्देश्यों के लिए उनका दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। शिक्षक को जनता द्वारा कर्मचारी नहीं माना जाना चाहिए। शिक्षक को स्वयं को कर्मचारी नहीं समझना चाहिए क्योंकि शिक्षक ही एकमात्र व्यक्ति है जो राष्ट्र निर्माण में सक्षम है और राष्ट्रीय निर्माण प्रक्रिया में बड़ी भूमिका निभाता है। शिक्षक छात्रों को तार्किक, विश्लेषणात्मक और आलोचनात्मक रूप से सोचने में सक्षम बनाता है। शिक्षक हमें ज्ञान, विचार, अनुसंधान व संसाधनों को साझा करना सिखाते हैं। निस्संदेह, सबसे प्रतिभाशाली दिमाग को शिक्षा के क्षेत्र में आना चाहिए।

पूरे विश्व में इन शिक्षकों द्वारा तैयार किए गए विद्यार्थियों का ही इतिहास दिखाई देता है। कौन नहीं जानता महान दार्शनिक सुकरात को, अरस्तु और प्लेटो को? कौन भूल सकता है चाणक्य को, कुमार जीव को, सर सीवी रमन को, महर्षि अरविंद को, ईश्वरचंद्र विद्यासागर जी को जिन्होंने आजीवन शिक्षक धर्म निभाया। अध्यापक वो है जिसका ध्येय अध्यापन का हो और जो सदैव नवीन विचारों के लिए अपने आप को तत्पर रखे, और उनको समय, परिस्थिति, देश के अनुरूप विद्यार्थियों तक पहुंचाता रहे। उसे अपने विचारों को कार्य रूप में परिणत करने का भी ध्यान रखना होगा। तभी कक्षाओं में किया गया वार्तालाप समाज की समस्याओं के निराकरण का कारण बनेगा। शिक्षक को अपने कार्य व्यवहार और आचरण से अपने विद्यार्थियों के अंदर समयबद्धता को उनके एक गुण के रूप में विकसित करना होगा। शिक्षक को नए अन्वेषण के लिए निरंतर सीखने रहने की आदत बनानी होगी।

हमारे राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने क्या कहा था -'यदि देश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है और रचनात्मक मस्तिष्कों वाला राष्ट्र बनाना है, तो तीन प्रमुख सामाजिक सदस्य हैं जो बदलाव ला सकते हैं - माता, पिता और शिक्षक। शिक्षक छात्रों को आत्मविश्वासी बनने, तनाव से निपटने, भावनात्मक स्थितियों से निपटने और सबसे बढ़कर राष्ट्र के प्रति प्रेम और ईमानदारी से काम करने में मदद करता है।'

श्रीमद्भगवद्गीता में भगवान श्री कृष्ण ने दानों में सर्वश्रेष्ठ दान ज्ञानदान को ही कहा है। ज्ञान का दान करने वाला आचार्य होता है, शिक्षक होता है, गुरु होता है, इसलिए आज शिक्षक दिवस पर हम संकल्प लें कि हम शिक्षकों, आचार्यों और गुरुओं को वह सम्मान सदैव देते रहेंगे जो उन्हें दिया जाना चाहिए।

संयुक्त परिवार में जिंदगी जीने का अनमोल लुत्फ़!

गोंदिया - वैश्विक रूप से भारत अनेक क्षेत्रों में अनेक उपलब्धियों का एक गढ़ रहा है,जिसके मूल्यों का कद्र वैश्विक रूप से बहुत अधिक है। अनेक देशों केसैलानी भारत सिर्फ यह अनमोल क्षण महसूस करने और देखने आते हैं। इन खूबसूरत उपलब्धियों में से एक भारत में सदियों पुरानी संयुक्त परिवार व्यवस्था और प्रथा को देखकर बड़े-बड़े देश हैरान रह जातेहैं।संयुक्त परिवार प्रथा भारत में सदियों से है। पहले हर परिवार इसी व्यवस्था में ऐसे ही चलता था,परंतु समय का चक्र चलता गया और स्वस्थ, हरे भरे परिवार टूटते चले गए और आज पाश्चात्य संस्कृति के जकड़न ने युवाओं को अपने रंग में रंगने का बीड़ा उठा रखा है,परंतु उसके बावजूद आज भी भारत में लाखों परिवार हैं जो सदियों पुरानी इस प्रथा और व्यवस्था को बनाए रखने में कामयाब हुए हैं! अनेक परिवार तो आज भी 50 से 100 सदस्यों के रूप में एक साथ एक छत के नीचे आपसी तालमेल बनाकर रहते हैं और व्यवस्थाओं की चाबी आज भी उनके बड़े बुजुर्गों के पास है! वाह क्या बात है! हमें जीवन जीने का सही लुत्फ उठाना है तो संयुक्त परिवार में मिलजुल कर प्रेम मोहब्बत से रहें, फिर देखेंगे जिंदगी जीने का मजा!साथियों बात अगर हम वर्तमान एक दशक की करें तो परिवार टूटने की संख्या अधिक हुई है। आज अधिकतम युवाओं की अभिलाषाएं बढ़ गई है।अधिकतम युवा बाहर रहकर अपने अवसरों को खोज़ना, अपनी जिंदगी अकेले जीना अधिक पसंद कर रहे है। हालांकि आज की व्यवस्था में जॉब भी बड़ी-बड़ी सिटीयों में ही मिलता है,इसलिए भी आज का माहौल संयुक्त परिवार व्यवस्था बनाए रखने में ढीला होते जा रहा है, परंतु यह हमारी सदियों पुरानी धरोहर है इसे बनाए रखना आज के डिजिटल इंडिया युग मेंयुवाओं की जवाबदारी बढ़ गई है।आज 68 प्रतिशत देश की जनसंख्या युवा है। अब समय आ गया है कि युवाओं को संयुक्त परिवार व्यवस्था को संभालना होगा। उन्हें संयुक्त परिवार प्रथा की मिठास, गुणों, फायदों को अपने जीवन में उतारना होगा और आने वाली पीढ़ी के लिए एक अच्छा उदाहरण पेश करना होगा संयुक्त परिवार प्रथा में माता-पिता बड़े बुजुर्गों की सेवा करने का जो अवसर प्राप्त होता है, वह किसी अन्य व्यवस्था में नहीं।

साथियों मेरा मानना है कि जितने पुण्य हमें अपने माता पिता बड़े बुजुर्गों की सेवा करने से प्राप्त होते हैं उतने शायद सब, हजार तीरथ धाम की यात्राएं करने पर भी प्राप्त नहीं होंगे,क्योंकि मेरी नज़र में माता-पिता बड़े बुजुर्गों के तुल्य आध्यात्मिक व्यक्ति कोई नहीं, इतना बड़ा स्थान और शक्ति रखते हैं माता-पिता बड़े बुजुर्ग और उनके साथ रहने का सौभाग्य हमें संयुक्त परिवार प्रथा में ही मिलता है।आज हम अगर संयुक्त परिवार में रहकर माता पिता बड़े बुजुर्गों का ध्यान करेंगे तो हमारी अगली पीढ़ी भी इसी लाइन पर चलकर हमारा सम्मान करेगी।

इसलिए ज़रूरी है कि आज के युवाओं को इस दिशा में अधिक ध्यान देना होगा और इन व्यवस्थाओं को टूटने से बचाना होगा तथा समायोजन की भावना सामूहिक लोकाचार,अपनापन, प्रेम भाव बढ़ा कर रिश्तो में मज़बूती लानी होगी, आपस में सदाचार का समायोजन कर परिवार रूपी बाग का माली बनना होगा। हर सदस्य को व्यवस्थित कर इस बाग की रक्षा करना आज युवाओं का परम धर्म हो गया है। आज युवाओं को अपने भीतर भरपूर सहिष्णुता विनर्मता,संवेदनशीलता कल्पनाशीलता, सहनशीलता जैसे गुणों की अति तात्कालिक ज़रूरत है

क्योंकि यह संयुक्त परिवार प्रथा के मूल मंत्र हैं।साथियों बात अगर हम एक कार्यक्रम में माननीय पीएम के संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार, व्यक्तिगत तौर पर पीएम ने छात्रों को अपने भीतर संवेदनशीलता, जिज्ञासा, कल्पनाशीलता और रचनात्मकता को जिंदा बचाए रखने की सलाह दी और उन्हें जीवन के गैर -तकनीकी पहलुओं के प्रति संवेदनशील होने के लिए कहा। उन्होंने कहा, जब खुशी और दयालुता साझा करने की बात आए, तो कोई पासवर्ड न रखें और खुले दिल से जीवन का आनंद लें।साथियों बाते अगर हम संयुक्त परिवार से भावी पीढ़ी का समुचित विकास वह भावनात्मक सहयोग होने की करें तो संयुक्त परिवार में बच्चों के लिए सर्वाधिक सुरक्षित और उचित शारीरिक एवं चारित्रिक विकास का अवसर प्राप्त होता है।बच्चे की इच्छाओं औरआवश्यकताओं का अधिक ध्यान रखा जा सकता है, उसे अन्य बच्चों के साथ खेलने का मौका मिलता है,माता पिता के साथ साथ अन्य परिजनों विशेष तौर पर दादा दादी का प्यार भी मिलता है जबकि एकाकी परिवार में कभी कभी तो माता पिता का प्यार भी कम ही मिल पता है यदि दोनों ही कामकाजी हैं।दादा ,दादी से प्यार के साथ ज्ञान,अनुभव बहर्पूर मिलता है,उनके साथ खेलने , समय बिताने से मनोरंजन भी होता है उन्हें संस्कारवान बनाना,चरित्रवान बनाना,एवं हिर्ष पुष्ट बनाने में अनेक परिजनों का सहयोग प्राप्त होता हैजो एकाकी परिवार में संभव नहीं हो पाता।किसी विपत्ति के समय ,परिवार के किसी सदस्य के गंभीर रूप से बीमार होने पर ,पूरे परिवार के सहयोग से आसानी से पार पाया जा सकता है।जीवन के सभी कष्ट सब के सहयोग से बिना किसी को विचलित किये दूर हो जाते हैं।कभी भी आर्थिक समस्या या रोजगार चले जाने की समस्या उत्पन्न नहीं होती क्योंकि एक सदस्य की अनुपस्थिति में अन्य परिजन कारोबार को देख लेते हैं।संयुक्त परिवार में सभी सदस्य एक दूसरे के आचार व्यव्हार पर निरंतर निगरानी बनाय रखते हैं, किसी की अवांछनीय गतिविधि पर अंकुश लगा रहता है,अर्थात प्रत्येक सदस्य चरित्रवान बना रहता है .किसी समस्या के समय सभी परिजन उसका साथ देते हैं और सामूहिक दबाव भी पड़ता है कोई भी सदस्य असामाजिक कार्य नहीं कर पता ,बुजुर्गों के भय के कारण शराब जुआ या अन्य कोई नशा जैसी बुराइयों से बचा रहता है और आपको यह भी बता दें कि कुछ भी हो हर बड़े ओर छोटे का पूरा प्यार और दुलार मिलता हैं।

किशन सनमुख़दास भावनानी

सुरेश खन्ना ने की 94 लाख के निर्माण कार्य की शुरुआत

कानपुर। सामऊ में मुख्यमंत्री गी आदित्यनाथ ने ल ही में विकास यों का शिलान्यास या था। इसमें से लाख के विकास र्यों के निर्माण का ी सुरेश खन्ना ने शुभारंभ किया। इस दौरान मंत्री ने कहा कि सीसामऊ में विकास की गंगा बहेगी।

सीसामऊ अंतर्गत ग्वाल टोली वार्ड-4 में मंत्री सुरेश खन्ना ने अहिराना चौराहे पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। यहां सुरेश खन्ना ने ग्वालटोली और वार्ड-5 जवाहर नगर में होने वाले विकास कार्यों का भूमि पूजन कर शिलान्यास किया।

भूमि पूजन में दोनों वार्डों के पार्षद अंकित मौर्या और आलोक पांडे मौजूद रहे। भूमि पूजन करने के बाद सुरेश खन्ना चुनीगंज मंडल के अध्यक्ष करण सिंह यादव के कार्यालय में मंडल के प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ चाय पर चर्चा की। सीसामऊ विधानसभा में चुनाव के संबंध में कार्य योजना पर चर्चा की और लखनऊ के लिए रवाना हो गए। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिलाध्यक्ष उत्तर दीपू पांडेय, विधायक नीलिमा कटियार, पूर्व विधायक नीरज चतुर्वेदी, अनूप अवस्थी, जिला मीडिया प्रभारी अनुराग शर्मा समेत पार्टी के अन्य पदाधिकारी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

विपक्ष के पार्टी छाप नेता की ओछी राजनीति..!

जनपद जौनपुर नें जब से घूस और भ्रष्टाचार के मामलों में लंबी छलांग लगाई है तब से जनपद में घूस और भ्रष्टाचार के कई मामले वायरल हो रहें। यूपी के सरकारी कार्यालयों, न्यायिक दफ़्तरों और तहसीलों में घूस लेने का हल्ला मचता रहा है वही आरटीओ कार्यालयों के बाहर खुलेआम चलने वाले लूट की कलई तो कई बार खुली है पर इस बार जिलाधिकारी के संज्ञान में किसी ने मज़ाक मज़ाक में एक मुद्दा जरूर दें दिया है । भ्रष्टाचार और घूस के लिए कई जगहों पर एंटीकरप्शन टीम से शिकायत भी हुई, छापे पड़े, लेखपाल से लेकर स्टेनो तक गिरफ्तार हुए पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। ताजा मामला जनपद के शाहगंज तहसील का है जहाँ एक तहसील चपरासी का पत्र सोशल मिडिया पर वायरल हो गया हालांकि मामला फर्जी निकला किन्तु ऐसे आरोप कोई केवल मजे लेने के लिए तो नहीं लगाएगा। वायरल पत्र में बात तहसील में घूस के पैसों में हिस्सेदारी की मांग की थी । हैरान कर देने वाला पूरा मामला बेहद गंभीर और डरावना है। डीएम जौनपुर के संज्ञान में एक प्रार्थना पत्र आया जिसमें जो बात लिखी हुई और वायरल है वह चर्चा का विषय बना गया हालांकि अखबार और पत्रकार इसके सत्यता की पुष्टि नहीं करते किन्तु गुरुवार की देर शाम को एक पत्र सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो गई । इस चिट्ठी में जिले के प्रशासनिक महकमे में हलचल सी मचा दी। पत्र में नायब तहसीलदार से मिलने वाले घूस के रुपयों में हिस्सेदारी बढ़ाए जाने की मांग की गई थी। मामला दरअसल पांच सितंबर गुरुवार की देर शाम का बताया गया जहाँ

पंकज मिश्रा

जिलाधिकारी जौनपुर के नाम से शाहगंज तहसील से जुड़ा कहे जाने वाला एक प्रार्थना पत्र सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हुआ । उस प्रार्थना पत्र को देख कर जिला प्रशासन में हलचल है , क्योंकि उस पत्र में सीधे घूस से मिलने वाले पैसों को बढ़ाए जाने की मांग थी । एसडीएम को पत्र भेजने वाले का नाम राजा राम यादव बताया गया है जबकि इसी नाम की प्रार्थना पत्र में उसने लिखा कि प्रार्थी शाहगंज तहसील के नायाब तहसीलदार लपरी शैलेन्द्र सरोज का चपरासी है । सारा घूस का पैसा सीधे उनता और अधिकताओं से वसूलता है। उसने लिखा कि हमारे नीचे दो और लोग कार्य करते है जिनका नाम अविनाश व अजीत यादव है। हम लोग लगातार मारपीट कर के घूस का पैसा वसूलते है। प्राईवेट कर्मचारियों को 1000 रुपया प्रतिदिन के हिसाब से दिया जाता है और हमको सिर्फ 500 रुपया मिलता है लिहाजा 500 और बढ़ाया जाय। डीएम से उसने मांग किया है कि प्राइवेट चपरासी को 1000 (एक हजार रुपया) प्रतिदिन मिलता है किन्तु मुझे 500 रुपया ही नायाब तहसीलदार देते है ,जो मेरे साथ ज्यादती है अत: मेरा पैसा बढ़ाया जाय । इस मामले की जानकारी जब जिलाधिकारी को हुई तो उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया जो पत्र वायरल हो रहा है वह संदिग्ध लगा और उसकी सत्यता जांची गई । अब तक उस नाम का कोई व्यक्ति वर्णित तहसील में नही मिला । उस पत्र में उसका न तो मोबाइल नंबर है ,और न ही उसका पता। इस पूरे मामले को स्थानीय एसडीएम द्वारा जांच के लिए भेजा गया । यदि इस प्रकार का मामला सही पाया जाता है तो संबंधित के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाती पर मामला छुप गया लेकिन एक सत्य चर्चा छोड़ गया कि हमारे सरकारी तंत्र क्या वास्तव में भ्रष्टाचार मुक्त है ! क्या गरीब आदमी से थानो और अन्य कार्यालयों में बिना किसी आर्थिक चढ़ावे के सुनवाई होती होंगी ! क्या समाज में लेखपाल, पुलिस और बाबुओं कि अच्छी छवि है ! ऐसे कई मुद्दों पर सार्थक बहस होती रहेगी हैरान कर देने वाला पूरा मामला बेहद गंभीर और डरावना है। डीएम जौनपुर के संज्ञान में एक प्रार्थना पत्र आया जिसमें जो बात लिखी हुई और वायरल है वह चर्चा का विषय बना गया हालांकि अखबार और पत्रकार इसके सत्यता की पुष्टि नहीं करते किन्तु गुरुवार की देर शाम को एक पत्र सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो गई । इस चिट्ठी में जिले के प्रशासनिक महकमे में हलचल सी मचा दी। पत्र में नायब तहसीलदार से मिलने वाले घूस के रुपयों में हिस्सेदारी बढ़ाए जाने की मांग की गई थी।

विश्लेषक एवं
पत्रकार जौनपुर

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502, bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बी.पी.एस. न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे। - सचालक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक, साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

सपर्क करें -:

मो.: 8423454502

email:bps.knp786@gmail.com

गौ आश्रय स्थलों के सभी अभिलेखों का समुचित रख रखाव सुरक्षित रखा जाए:जिलाधिकारी

कानपुर। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में सरसैयाघाट स्थित नवीन सभागार में निराश्रित गोवंशसंरक्षण विशेष अभियान (0 1 से 07 सितंबर 2024 तक) से सम्बन्धित संचालित किए जाने केसंबंध में समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई।समीक्षा के दौरान मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी कानपुर नगर द्वारा अवगत कराया गया कि वर्तमान समय में जनपद में क्रियाशील गौ आश्रय स्थलों की संख्या 142 है, जिनमे से 135 ग्रामीण क्षेत्र में तथा 07शहरी क्षेत्रों में संचालित है। 19 वींपशुगणना के अनुसार जनपद कानपुर नगर में निराश्रित गोवंशो की संख्या 26775 थी परन्तु अबतक जनपद के आश्रय स्थलों में अबतक कुल 28861 गोवंश संरक्षित है।जनपद में कुल 10 कैटिल कैचर उपलब्ध है जिनकी सहायता से गौ संरक्षण अभियान क्रियान्वित कियाजा रहा है जिलाधिकारी द्वारा समीक्षा के दौरान उपस्थित समस्तसंबंधित विभागों के अधिकारियों को निम्नलिखित निर्देश दिए निराश्रित गोवंश को गो आश्रय स्थलों में संरक्षित कराने हेतु समस्त खण्डविकास अधिकारियों की अध्यक्षता में 06 विभागों की एक टीम कागठन किया जाए जिसमे (1) पंचायतीराज विभाग (2) ग्राम्य विकास विभाग (3) राजस्व विभाग (4) नगर विकास विभाग (5) गृह विभाग (6) पशुधन विभाग रहे । सभी खण्ड विकास अधिकारियों द्वारा न्याय पंचायत स्तर पर एक नोडल अधिकारीनामित करते हुए सभी विभागों के कार्मिकों को सम्मिलित करते हुए टीमों का गठन किया जाए जो स्थानीय लोगों की मदद से निराश्रित गोवंशों को गौ आश्रय स्थलों मेंसंरक्षित करेंगे। समस्त टीमों द्वारा गौ संरक्षण अभियान के दौरान नगर पालिकाओं में 10पशु/प्रतिदिन प्रत्येक विकास खण्ड में 30 पशु/दिन की दर सेगोवंश संरक्षित कराने के निर्देश दिये गये। गौ आश्रय स्थलों के सभी अभिलेखों का समुचित रख रखाव सुरक्षित रखा जाए तथा समय पर फण्ड रिक्रेस्ट भेजी जाए।पूर्व में किये गये निरीक्षणों की अनुपालन आख्या की समीक्षा मुख्य विकासअधिकारी को उपलब्ध कराई जाए । न्याय पंचायत वार नोडल अधिकारियों की बैठक कराकर गौवंश संरक्षण की प्रभावीरणनीति बनाई जाए तथा न्याय पंचायत स्तर पर किसानो की बैठक कर फीड बैक लेकर आवारा पशुओं की जानकारी ली जाए । बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, मुख्य पशुचिकित्सा अधिकारी , समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं अन्यसंबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

महापौर ने उप्र मेट्रो रेल कारपोरेशन, नगर निगम एवं जल संस्थान के साथ बैठक की

-फुटपाथ ज्यादा चौड़ा होने से दुकानदारों का कब्जा होने से गाड़ियाँ निकलने की जगह कम बचेगी-नगर आयुक्त

कानपुर, 3 सितम्बर (निस)। नगर निगम मुख्यालय स्थित समिति कक्ष में महापौर प्रमिला पांडे की अध्यक्षता में उप्र मेट्रो रेल कारपोरेशन, कानपुर नगर निगम एवं जल संस्थान के साथ बैठक की गयीं । महापौर के निर्देश के क्रम में प्रबन्ध निदेशक मेट्रो रेल कारपोरेशन सुशील कुमार ने कहा कि मेट्रो का अंडरग्राउन्ड सेक्शन पूरा जोर है। अंडरग्राउन्ड सेक्शन सामान्यतया 08 साल में बनता है। शहर मे जल्द से जल्द कार्य पूरा करने का प्रयास कर रहे है। हमारी ट्रेन 3 से 4 स्टेशन तक पहुँच गयी है। आयुक्त रेलवे सुरक्षा के साथ कार्य कर रहे है। सेन्ट्रल से मेट्रो जोड़ने का भी कार्य भी किया जा रहा है। राइट्स के साथ भी मीटिंग कर रहे है 15-20 दिन में रिपोर्ट देंगे। नौबस्ता से बरा-

8 तक के सेक्शन कार्य की अनुमति राज्य सरकार से जल्द मिल जायेगी। केन्द्र सरकार से अनुमति में लगभग 01 वर्ष लग जायेंगे।

महापौर ने कहा कि मेट्रों शहर को मिल रहा है, यह बहुत ही सराहनीय कार्य है। हरबंश मोहाल में मकान दरकने एवं गिरने से त्राहि-त्राहि मच गयी थी। कई लोग होटल में रह रहे थे। मैंने जनता को समझाया, ताकि मेट्रो के प्रगति के कार्य में रूकावट न हो, लेकिन मेट्रो ने कार्यो के सम्बन्ध में कुछ भी अवगत नहीं कराया गया। मुख्य अभियन्ता सैय्यद फरीद अख्तर जैदी ने कहा कि फुटपाथ 6 मीटर का बना दिया गया है। गाड़ी, बाईक सड़क पर खड़ी हो जायेंगे, तो लोग चलेंगे कैसे ? जो रोड साइड का ड्रेनेज है वह 350 डाया का बनाया गया है, उसे 600 डाया का होना चाहिए, कम डाया होने तेज पानी के बहाव में जल भराव होगा, इसे ठीक कराया जाना चाहिए। सीवर, वाटर लाईन ठीक होना चाहिए। महापौर ने शिक्षक पार्क, नवीन मार्केट में वाटर सेफटी टैंक तोड़े जाने पर मेट्रो अधिकारियों पुनः वैसा ही बनाये जाने का आश्वासन दिया गया। प्रबन्ध निदेशक सुशील कुमार ने नगर निगम एवं मेट्रो अधिकारियों का एक-एक नोडल अधिकारी नामित करने का अनुरोध किया गया, ताकि किसी भी समस्या को संयुक्त निराक्षण कर ठीक कराया जा सके। साथ ही यह भी अवगत कराया कि हम जहाँ भी कार्य करते है, वहाँ के विभाग से एनओसी लेकर ही कार्य करते है। नगर आयुक्त ने कहा कि यदि फुटपाथ ज्यादा चौड़ा करेंगे तो बाद में दुकान वालें कब्जा कर लेंगे, इससे सड़क पर गाड़ियाँ खड़ी होंगी और गाड़ियाँ निकलने की जगह कम बचेगी, इसलिये फुटपाथ की चौड़ाई कम रखी जाये। प्रबन्ध निदेशक ने इसका अनुपालन करने हेतु आश्वासन दिया गया। बैठक में रिषी गंगवार पीओ यूपीएमआरसी, अजहर सरताज मुख्य परियोजना प्रबन्धक यूपीएमआरसी, आरकेसिंह जोनल अभियन्ता जोन-6, आरके तिवारी जोनल अभियन्ता जोन-6, सन्तोष कुमार सहायक अभियन्ता जोन-6, आनन्द त्रिपाठी महाप्रबन्धक जलकल इत्यादि भी उपस्थित रहे।

औचक की गई छापेमारी से नमक फैक्ट्री में मचा हड़कंप

-दादू ब्राण्ड के नाम से पैकिंग कर मानव उपयोग हेतु विक्रयार्थ भण्डारित करते हुए पाया गया नमक

कानपुर।सहायक आयुक्त खाद्य – संजय प्रताप सिंह ने बताया है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह, संजय वर्मा एवं डा0 अजय कुमार मौर्य के द्वारा हंसपुरम नौबस्ता स्थित पी0के0 इण्डस्ट्रीज में औचक छापेमारी की गयी उक्त इण्डस्ट्री में अत्यन्त गन्दगी के साथ सेंधा नमक, काला नमक एवं साधारण नमक दादू ब्राण्ड के नाम से पैकिंग कर मानव उपभोग हेतु विक्रयार्थ भण्डारित करते हुए पाया गया। काला नमक में साधारण नमक की मिलावट की जा रही थी। कार्यस्थल पर कार्मिको द्वारा तैयार व पैक्ड नमक पर जूते पहनकर चला जा रहा था। तत्काम में उपरोक्त खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम द्वारा मौके पर ही सेंधा नमक, काला नमक एवं साधारण नमक के तीन नमूने संग्रहित किये गये एवं साथ ही 25 कुन्टल काला नमक, कीमत 1,99,680/- (रू0 एक लाख निन्यावे हजार छः सौ अस्सी) तथा 50 कुन्टल साधारण नमक कीमत 24,995/- (रू0 चौबीस हजार नौ सौ पन्चानबे) को सीज कर दिया गया। निर्माणस्थल की साफ-सफाई व अन्य कार्यो के सुधार करने तक वहां पर निर्माण कार्य को रोक दिया गया।

इन्द्रानगर में अतिक्रमण ध्वस्त

कानपुर। कानपुर विकास प्राधिकरण, कानपुर श्री मदन सिंह गर्ब्याल के निर्देश के क्रम में विशेष कार्याधिकारी (प्रवर्तन जोन-1) श्री सत् शुक्ला द्वारा इन्द्रानगर में पाकेट सी-1 क्षेत्रफल लगभग 4500 वर्ग मीटर भूमि पर अवैध रूप से किये गये अतिक्रमण/बाउण्ड्रीवाल को ध्वस्त कराया गया। उक्त भूमि पर अतिक्रमण के दोषियों के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने की कार्यवाही भी की जा रही। अतिक्रमण मुक्त करायी गयी भूमि पर के0डी0ए0 द्वारा बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कराया जायेगा तथा भूमि का नियमानुसार निस्तारण किया जायेगा। कार्यवाही के दौरान विशेष कार्याधिकारी (प्रवर्तन जोन-1) श्री सत् शुक्ला, सहायक अभियन्ता श्री संदीप मोदनवाल, अवर अभियन्ता श्री शैलेन्द्र सिंह एवं श्री जनार्दन सिंह, पूर्व सैनिक बल, सुपरवाईजर, प्रवर्तन दल इत्यादि उपस्थित रहें। अभियान की कृतिपय फोटोग्राफ एवं विडियो संलग्न है।

सक्रिय क्षय रोगियों को खोजने के लिए नौ सितम्बर से चलेगा अभियान

कानपुर। स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिले में घर में छुपे बैठे टीबी के मरीजों को खोजने के लिए अभियान चलेगा। टीम घर-घर जाएगी और बीमारी लोगों को टीबी के लक्षण बताकर जांच करेगी। संदिग्ध मिलने पर स्वास्थ्य केंद्रों पर जांच होगी। टीबी की पुष्टि होने पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से उनका उपचार शुरू किया जाएगा। यह बातें जिले में बुधवार को जिला क्षयरोग केंद्र में चल रहे प्रशिक्षण के दौरान कहीं गयीं पता हो की जिले की 20 प्रतिशत आबादी की टीबी स्क्रीनिंग अभियान के तहत टीबी स्क्रीनिंग की जाएगी। इस बार 10.50 लाख जनसंख्या की स्क्रीनिंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मदरसों, ईद भट्ठों, अनाथालय, फल मंडी, सब्जी मंडी, निर्माणाधीन भवन, घने आबादी वाले इलाकों में लोगों की स्क्रीनिंग की जाएगी। जिले में नौ से 20 सितंबर तक सक्रिय मरीज खोजो अभियान चलेगा। इसमें 320 टीमें घर-घर भ्रमण कर टीबी रोगी खोजेंगी। इन टीमों पर 63 सुपरवाइजर काम की निगरानी करेंगे। एक टीम में तीन सदस्य रहेंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए क्षयरोग विभाग के जिला कार्यक्रम समन्वयक राजीव सक्सेना ने बताया कि एसीएफ अभियान के तहत तीन सदस्यों की टीम माइक्रोप्लान के अनुसार संबंधित क्षेत्र में पहुंच कर टीबी के लक्षणों के बारे में जानकारी देंगी। टीबी के संभावित रोगियों को बलगम जांच के लिए प्रेरित किया जाएगा और जांच करवा कर बीमारी मिलने पर इलाज की सुविधा दी जाएगी। उन्होंने बताया कि एसीएफ के दौरान घर घर जाकर स्क्रीनिंग करने पर टीम के प्रत्येक सदस्य 150 रुपये दिये जाएंगे। मरीज की पुष्टि होने पर 200 रुपये प्रति सदस्य को दिये जाएंगे। पहला बलगम तुरंत इकट्ठा करना है, जबकि दूसरा बलगम का सैम्पल बिना कुछ किये हुए इकट्ठा करना है। अभियान के दौरान एक टीम को कम से कम पचास घर का विजिट करना होगा और प्रत्येक घर की माकिंग भी करना है। उन्होंने बताया की यह अभियान सभी 26 क्षयरोग इकाईयों में आने वाले समस्त क्षेत्रों में चलेगा। उन्होंने कहा कि वैसे तो सभी जगह पूरी गहनता से अभियान में सक्रीय रहते हुए टीबी मरीजों की खोज करनी है पर टीबी मुक्त ग्राम पंचायत के तहत चुनी गयीं ग्राम पंचायतों में ज्यादा से ज्यादा क्षयरोगियों की खोज करने के प्रयास किये जायेंगे।

भिक्षा नहीं रोजगार चाहिए जीने का अधिकार चाहिए पर दिव्यांग जनों का हल्ला बोल

कानपुर। लेखपाल भर्ती में दिव्यांगजनो का चयन होने के बाद भी नियुक्ति नहीं दी गयी7 वो लम्बे समय से ईको गार्डन लखनऊ में आन्दोलन कर रहे है। इसके बाबजूद सरकार व शासन के अधिकारी नहीं सुन रहे है।लेखपाल पद पर चयनित दिव्यांगजन का दर्द सुनने राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, प्रदेश अध्यक्ष आनन्द तिवारी के साथ ईको गार्डन लखनऊ पहुंचे। उन्होंने आन्दोलनकारी दिव्यांगजन को न्याय दिलाने के लिये राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी का समर्थन देते हुए। सरकार को चेतावनी दी कि 20 दिनो में लेखपाल पद पर चयनित दिव्यांगजनों को नियुक्ति नहीं दी गयी तो राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी मुख्यमंत्री आवास घेरेगी। इसके पूर्व सरकार व शासन को नोटिस जारी करके चेतावनी दी जाएगी।आज धरने के दौरान दिव्यांगजन हांथों में तख्ती लिये थे जिसमें लिखा था भिक्षा नहीं रोजगार चाहिए -जिने का अधिकार चाहिए हम अपना अधिकार मांगते,-नहीं किसी से भीख मांगते! राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने कहा कि सरकार दिव्यांगजन को आत्म हत्या पर मजबूर कर रही है। सरकार व राजस्व विभाग के अधिकारी गाजीपुर के दिव्यांग अभिषेक के आत्म हत्या के जिम्मेदार है। दोषी अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज होना चाहिए।आज के प्रदर्शन में राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार, प्रदेश अध्यक्ष आनन्द, चयनित लेखपाल तेज बहादुर प्रसाद देवरिया, राजेश मौर्य मऊ, कृष्ण कुमार सिंह चन्दौली, राम निहाल ध्विवेदी गोंडा, दिलबार सिंह, गोकुल यादव कानपुर देहात, हेमन्त सिंह गाजियाबाद, सतीष कुमार सामली, सोनू यादव कुशीनगर, ओमकार यादव, अजय कुमार कानपुर नगर, अभिनव गाजीपुर, डब्बू गोरखपुर, सुनील कुशवाहा आगरा, स्वतंत्र कुमार मिश्र गोंडा, सुधीर कुमार वर्मा सीतापुर, संगम लखनऊ, आदित्य उन्नाव आदि शामिल थे।

मेडिकल कालेज में साइबर अपराधो से बचाव पर कार्यशाला

कानपुर। जीएसवीएम मेडिकल कालेज में सइबर अपराध को लेकर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साइबर सेल के एसीपी मोहसिन खान ने उपस्थित कालेज के सभी फैक्ल्टी मेम्बर व जूनियर डाक्टरो को महत्वपूर्ण जानकारियां दी कि कैसे साइबर फ्राड से बचाव किया जा सकता है। साइबर क्राइम सेल के एसीपी मोहसिन खान ने बताया कि 1 जनवरी से अब तक 281367495 रूपये का फ्राड अब तक हो चुका है। साइबर सेल ने कार्यवाही करते हुए 1.58 करोड रूपये बरामद भी कराये है। एसीपी मोहसिन खान ने बताया कि साइबर क्राइम होने पर आम जनमानस 1930 टोल फी नम्बर पर अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है साथ ही अपनी शिकायत दर्ज करवा सकता है। उन्होनें बताया कि साइबर क्राइम और फ्राड की जानकारी होना बहुत ही जरूरी है। जिससे आम व्यक्ति ऐसे जालसाजो से बच सकते है। एसीपी मोहसिन खान ने उपस्थित सभी डाक्टरो एवं फैक्लटी मेम्बरो को प्रोजेक्टर के माध्यम से उन्हें साइबर क्राइम के बारे में जानकारी दी। कालेज के प्राचार्य प्रो0 डॉ संजय काला ने एसीपी की सराहना करते हुए कहा कि साइबर क्राइम आज के समय बढ़ता जा रहा है, जिसकी बहुत ही आवश्यक है। इस जागरूकता कार्यक्रम में डाक्टरों को होने वाले फ्राड के बारे में जानकारी दी गई, कि इससे कैसे बचा जा सकता है। इस दौरान प्रमुख रूप से उप प्राचार्या डॉ रिचा गिरी, चर्म रोग विभागध्यक्ष डॉ डी पी शिवहरे, सर्जरी विभागध्यक्ष डॉ जी डी यादव, अस्थि रोग विभागध्यक्ष डॉ संजय कुमार, मानसिक रोग विभागाध्यक्ष डॉ धर्मनजय चौधरी, मीडिया प्रभारी डॉ सीमा द्विवेदी, डॉ नीना गुप्ता समेत सभी फैक्ल्टी और संकाय सदस्य मौजूद रहे।

विवि में आर्टिफिशल इंटेलीजेंस एवं साइबर सिक्योरिटी तीन दिवसीय कार्यक्रम समापन पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान

कानपुर, 4 सितम्बर (निस)। बुधवार को छत्रपति शाहू जी महाराज विवि के संयुक्त व्याख्यान कक्ष के एल-1 सभागार में विश्वविद्यालय, कमिश्नरेट, डिफेन्स रिसर्च आर्गेनाइजेशन, राष्ट्रीय सेवा योजना, राष्ट्रीय कैडिट कोर, ग्रुप ऑफ डॉक्टर्स तथा भारतीय विचारक समिति के संयुक्त तत्वावधान में आर्टिफिशल इंटेलीजेंस एवम् साइबर सिक्योरिटी इश्यूज एंड चैलेंजेज विषय पर तीन दिवसीय अवेयरनेस प्रोग्राम के तृतीय दिवस (समापन दिवस) का आयोजन भी बहुत ही ज्ञानवर्धक एवं महत्वपूर्ण रहा।

तृतीय दिवस के कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कमिश्नर ऑफ पुलिस अखिल कुमार, भारतीय विचारक समिति के संरक्षक बलराम नरूला, डॉ. एस के कटियार, भारतीय विचारक समिति के वाईस प्रेजिडेंट डॉ. उमेश पालीवाल, श्री गुलशन धूपर, मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित, IIT कानपुर के CxiHub के निदेशक प्रो. संदीप शुक्ला, विषय विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित रिवील एफर्म टेस्टीफाई के सी ई ओ एवं डायरेक्टर संजय मिश्रा, कॉलेज डेवलपमेंट कार्डसिल के निदेशक प्रो. राजेश कुमार द्विवेदी एवं अन्य सदस्यों जैसे उमेश दीक्षित, डॉ. रचना सिंह, प्रो. रॉबिन्स पोरवाल इत्यादि ने द्वीप प्रज्वलित करके किया। ब्लाइंड स्कूल नेहरू नगर, कानपुर से आये हुए दिव्यांग छात्र एवं उनकी मेंटर डॉ. प्रतिभा गुप्ता द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किये गये। सभी आये हुए अतिथियों का स्वागत भारतीय विचारक समिति के सचिव श्री उमेश दीक्षित, वाईस प्रेसिडेंट डॉ. उमेश पालीवाल, सदस्य डॉ. रचना सिंह एवं अन्य गणमान्य सदस्यों द्वारा स्वागत पट्टीका पहना कर, पौधे एवं स्मृति चिन्ह देकर किया गया। इस अवसर पर, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने कमिश्नर ऑफ पुलिस अखिल कुमार को उनके इस कार्यक्रम के समर्थन और प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। प्रो. पाठक ने विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के चिकित्सा क्षेत्र में उपयोग पर भी प्रकाश डाला, और कहा कि एआई के माध्यम से चिकित्सा सेवाओं में सुधार और मरीजों की देखभाल में नई संभावनाएं उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि कानपुर विश्वविद्यालय इस दिशा में निरंतर प्रयासरत है ताकि नवीनतम तकनीकी संसाधनों का लाभ अधिकतम लोगों तक पहुंच सके।

वैज्ञानिकों ने किया प्रक्षेत्र भ्रमण और मनाया धान फसल का प्रक्षेत्र दिवस

कानपुर। सीएसए के कड़ी संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर द्वारा धान फसल का प्रक्षेत्र दिवस मनाया गया।

केंद्र के प्रभारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने बताया कि खपतवारों के प्रकोप से धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। वहीं खरपतवार धान की फसल को नुकसान भी पहुंचाती है। ये खरपतवार वे अवांछित पौधे होते हैं जिनकी खेत में जरूरत नहीं होकर धान के उत्पादन में बाधा पहुंचाते हैं। परिणामस्वरूप धान के उत्पादन में कमी आ जाती है। कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर, कानपुर देहात द्वारा अनुसूचित जाति उपयोजना अंतर्गत खरपतवारों के प्रबंधन हेतु बिस्पायरीबैक सोडियम साल्ट का वितरण विभिन्न गांव जैसे फंदा, बिहारी पुरवा, करोम, अरशदपुर, गणेशपुर, सहतावन पुरवा इत्यादि में किया गया था। जिसको डालने से सभी तरह के खरपतवारों से मुक्ति मिल जाती है बिस्पारी बैक द्वारा 90 से 95 प्रतिशत तक खरपतवार नष्ट हो जाते हैं इसी परिणाम को और क्रश को बताने वह उन्हें प्रक्षेत्र दिखाकर दवा की होती है, क्योंकि इन्हीं खरतपवारों में कीट भी पनप जाते हैं और धान की खेती को नुकसान पहुंचाते हैं। यदि समय पर इन खरतपवारों को खेत से नहीं हटाया जाता है तो ये धान की फसल के साथ बड़े जानकारी देने हेतु कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा ग्राम बिहारी पुरवा में प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉक्टर अजय कुमार सिंह ने कहा बिस्पाइरीबैक-सोडियम, बिस्पाइरीबैक का कार्बनिक सोडियम नमक है। इसका उपयोग चावल की फसलों में घास, सेज और चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के नियंत्रण के लिए एक व्यापक स्पेक्ट्रम पोस्ट-इमर्जेंट शाकनाशी के रूप में किया जाता है। कृषि वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, डॉ शशिकांत, डॉ निमिषा अवस्थी सहित सभी ने देशराज भारती, रमेश इत्यादि की फसल का अवलोकन किया।

व्यापारी नेता केंद्रीय खाद्य मंत्री चिराग पासवान से उनके दिल्ली स्थित मंत्रालय में मुलाकात कर की वार्ता

कानपुर, पिसे हुए सब्जी मसाले मे पेस्टीसाइड की निर्धारित मात्रा को कृषि उत्पाद के वास्तविक अनुपात के हिसाब से बढ़ाने व पेस्टीसाइडस की मात्रा अधिक पाए जाने के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा किये गए मुकदमो मे राहत देने और सब्जी मसाला या अन्य खाद्य प्रोडक्ट की जाँच लैब से निर्धारित मानको के तहत जाँच करने और देश मे 80 प्रतिशत काला नमक का उत्पादन करने वाला कानपुर मे काला नमक को एक जिला एक उत्पाद मे शामिल करने, इसके उत्पादन के लिए आबादी से दूर जमीन देने, हिंदुस्तान सांभर साल्ट से रियायती दर मे सांभर साल्ट देने व प्रदूषण सहित अन्य सरकारी विभागों के उत्पीड़न से बचाने के लिए केंद्रीय खाद्य मंत्री चिराग पासवान से उनके दिल्ली स्थित मंत्रालय मे मुलाकात, वार्ता की और इन दोनों मामलो मे दो अलग अलग ज्ञापन सौंपा केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान से मिलने वालों मे प्रमुख रूप से व्यापार मंडल के राष्ट्रीय युवा मंत्री विनायक पोद्दार, गोल्डी मसाले से नीरज शर्मा, काला नमक उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष लक्ष्मीकांत बाजपेई, विनीत मिश्र व राजेश मसाले के विजय सिंह आदि थे।

राष्ट्रीय अधिवेशन में सम्मानित हुए कानपुर जिलाध्यक्ष

प्रदेश के लिए अत्यधिक गौरवान्वित होने का विषय : प्रदेश महामंत्री धीरेन्द्र भदौरिया

कानपुर। अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन मुंबई में आयोजित हुआ। राष्ट्रीय अधिवेशन में भारत भर के प्रत्येक प्रदेशों के पदाधिकारी शामिल हुए। राष्ट्रीय सम्मेलन का यह पहला मौका था जिसमे कानपुर नगर जिलाध्यक्ष मनोज सिंह भदौरिया को संगठन के प्रति कार्य निष्ठा एवं सक्रियता के चलते विशेष आमंत्रण पर आमंत्रित किया गया था। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर हरिवंश सिंह तथा राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री राघवेंद्र सिंह राजू एवं राष्ट्रीय संयोजक महेंद्र सिंह तथा प्रदेश महामंत्री धीरेन्द्र भदौरिया ने जिलाध्यक्ष मनोज सिंह भदौरिया को प्रशस्ति पत्र एवं पटका पहनाकर सम्मानित करते हुए मोमेंटो भेंट किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने संबोधन में जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया की प्रशंसा करते हुए कहा कि आप वास्तव में संगठन के सच्चे सिपाही है। राष्ट्रीय अधिवेशन में भारत भर के प्रदेशों के पदाधिकारियों की कार्यकारिणी बैठक आयोजित हुई। जिलाध्यक्ष ने केंद्रीय मंत्री श्रीनारायण राणे तथा पूर्व केन्द्रीय मंत्री कृपाशंकर को स्मृति चिन्ह भेंट कर चर्चा की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया ने कहा कि अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा भारत का सबसे बड़ा संगठन है जिसका सामान्य कार्यकर्ता भी होना अपने आप में गौरव की बात है तथा वह इसी तरह ईमानदारी और निष्ठा के साथ संगठन हित में कार्य करते रहेंगे। आज राष्ट्रीय अधिवेशन में कानपुर जिलाध्यक्ष को बुलाना उनके लिए गौरव की बात है। वही दूसरी ओर अधिवेशन में मौजूद प्रदेश महामंत्री धीरेन्द्र भदौरिया ने कहा कि यह उत्तर प्रदेश के लिए अत्यधिक गौरवान्वित होने का विषय है आज कानपुर जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया के कारण उत्तर प्रदेश का नाम स्वर्णिम अक्षरों में अंकित हुआ है।

आज से छह दिवसीय मशरूम प्रशिक्षण की शुरुआत

कानपुर। सीएसए के कुलपति डॉक्टर आनंद कुमार सिंह के निर्देश के क्रम में विश्व विद्यालय स्थित मशरूम शोध एवं विकास केंद्र पादप रोग विज्ञान विभाग के अंतर्गत छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 से 14 सितम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। मशरूम शोध केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ एस.के.विश्वास ने बताया कि कोई भी व्यक्ति (कृषक, छात्र एवं शहरी लोग) जो मशरूम की खेती या व्यवसाय करना चाहते हैं। तो यह उनके लिए उत्तम अवसर है। डॉ विश्वास ने बताया कि यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर लोग एस्टर, बटन या मिल्की मशरूम की खेती शुरू कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि 6 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी सलाह उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही प्रशिक्षण के दौरान मशरूम उगाने के विभिन्न प्रकार के प्रयोग (प्रैक्टिकल) भी कराए जाएंगे। डॉ विश्वास ने बताया कि प्रशिक्षण में प्रतिभाग करने के लिए रुपया 1000/- पंजीकरण शुल्क के साथ अपनी आईडी (आधार की कॉपी) एवं एक स्वयं की पास पोर्ट साइज फोटो देनी होगी। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में अगर कोई किसान बाहर से आता है। तो उसे रुकने की व्यवस्था होगी। लेकिन उसके लिए प्रशिक्षणार्थी को अलग से शुल्क देना होगा।

विश्वविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉक्टर खलील खान ने बताया कि सफलतापूर्वक प्रशिक्षण उपरांत सभी प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से किसान की मौत

कानपुर। शिवराजपुर में मंगलवार सुबह खेत पर काम कर रहे किसान की हाईटेंशन लाइन से उतरे करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्यवाही शुरू की। परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

शिवराजपुर के दिनकरपुर गांव निवासी 55 वर्षीय किसान शिवकांत खेती किसानी करता है। मंगलवार सुबह खेत के ऊपर से गुजरी हाईटेंशन लाइन में टच हो रहे बांस के पेड़ों में उतर रहे करंट की चपेट में आकर बेहोश हो गए। किसी तरह किसान को बांस के पेड़ों से अलग कर उन्हें उपचार के लिए सीएचसी लाया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते सभी परिजन मौके पर पहुंच गए। शव देख परिजनों में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों का कहना है कि खड़े बांस के पेड़ जो की हाईटेंशन लाइन में छू रहे थे। उसको कटवाने के लिए कई बार बिजली विभाग के कर्मचारियों को जानकारी दी गई।

पत्रकारों के उत्पीड़न के खिलाफ इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने भेजा ज्ञापन

कानपुर। कानपुर प्रेस क्लब अध्यक्ष अवनीश दीक्षित पर हुई पुलिसिया कार्रवाई के बाद से जिला पुलिस प्रशासन ने मानो नगर के समस्त पत्रकारों को ही अपराधी की श्रेणी में खड़ा कर रखा है, इसी संदर्भ में आए दिन नगर पुलिस अपराधियों/हिस्ट्रीशीटरो से प्रार्थना पत्र लेकर पत्रकारों को जैसे जेल भेजने की कसम खा रखी है, जो लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर हमला है। इसी संबंध में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन के पदाधिकारियो ने प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, अध्यक्ष भारतीय प्रेस परिषद के साथ समस्त जिम्मेदारों को ज्ञापन भेज कर पत्रकारों पर पुलिसया उत्पीड़न रोकने की मांग की है। संगठन ने अपने ज्ञापन के माध्यम से मांग की के डीओजीपी कार्यालय के आदेश पत्रक संख्या डीजी -आठ-140(25)2017-19 दिनांक 15 नवंबर 2019 का अनुपालन सुनिश्चित किया जाए साथ ही किसी भी भ्रष्टाचार/समाचार प्रकाशन की सत्यता की जांच किए पत्रकार पर मुकदमा न दर्ज किया जाए। ज्ञापन भेजने के संदर्भ में संगठन के संरक्षक अश्वनी दीक्षित ने पत्र को बताया निसंदेह अपराधी प्रवृत्ति के लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए, परंतु आज जिले की पुलिस अपराधियों/हिस्ट्रीशीटरो से प्रार्थना पत्र लेकर पत्रकारों के खिलाफ मुकदमा लिख रही है, साथ ही भ्रष्ट अधिकारी अपने काले कारनामे छुपाने के लिए पत्रकारों पर झूठा रंगदारी का मुकदमा लिखाने की धमकी दे रहे हैं जो लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है।

मैरिज हॉल चमनगंज में सपा का पीडीए सेमिनार एवं जोन प्रभारियों का सम्मेलन

■ सरकार दस्तकारी उद्योग को बर्बाद कर बहुराष्ट्रीय कंपनियों को बढ़ावा दे रही : पर्यवेक्षक राजेंद्र कुमार

कानपुर। समाजवादी पार्टी सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के जोनल सेक्टर प्रभारी वार्ड अध्यक्षो विधानसभा कार्यसमिति के सदस्यों मतदान केंद्र के प्रभारी बूथ प्रभारियों शिक्षकों तथा पीडीए मिशन के युवा कार्यकर्ताओं का एक वृहद पीडीए सेमिनार हिना मैरिज हॉल चमनगंज में सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में आरंभ हुआ। सेमिनार को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के 275 बूथों के 48 मतदान केंद्रों के 150 बूथ परिवारों से पीडीए का जनसंपर्क अभियान पहले चरण में पूरा होकर दूसरा चरण 17 सितंबर विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर आरंभ कर मतदाताओं के परिवार अभियान का आकलन तैयार किया जाएगा। क्षेत्र की जनता बढ़ती हुई में बेतहाशा महंगाई और बेरोजगारी से परेशान है और बढ़ती हुई बीमारी से अस्पतालों में व्यापक सुविधा नहीं मिल पा रही है। दूसरी ओर बाजारों में दबाओ के बढ़ते हुए मूल्य से स्थित भयावाह होती जा रही है सेमिनार को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के नेता तथा सीसामऊ विधानसभा क्षेत्र के पर्यवेक्षक राजेंद्र कुमार विधायक तथा पूर्व राज्य मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी पीड़ीए के कार्यकर्ता और युवा टीम मलिन बस्तियों तथा पांच साथियों की टीम बनाकर मतदाता सूची लेकर दो पत्ते साथ लेकर परिवारों से संपर्क कर उनकी भावनाओं के साथ वर्तमान हालात पर चर्चा कर पीडीए मिशन के संकल्प को पूरा करें इससे भाजपा का सपना टूट जाएगा क्योंकि भाजपा सरकार ने दलित व गरीबों की दहलीज पर खड़े लोगों की उपेक्षा की है।

सेमिनार को संबोधित करते हुए महानगर महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर ने अपने संबोधन में कहा कि दस्तकारी उद्योग को चौपट किया जा रहा है बिजली के सामानों का आयात कर देसी कारोबार को धक्का पहुंचाया है इससे लघु कारोबारी परेशान है और दूसरी ओर ऑनलाइन खरीदारी से मोहल्ले की परचूनी की दुकानों को बंद करने की साजिश रची जा रही है इस अवसर पर महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद प्रदेश सचिव के के शुक्ला महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू विधायक मोहम्मद हसन रूमी विधायक अमिताभ बाजपेई पूर्व विधायक सतीश निगम पूर्व नगर अध्यक्ष ओमप्रकाश मिश्रा नसीरुद्दीन एडवोकेट हाजी सरताज अनवर राजीव शर्मा आनंद शुक्ला महेंद्र सिंह बड़े ठाकुर सत्यनारायण गहरवार साहेब आलम सोनू रजत मिश्रा शबाब अबरार अनवर अली पप्पू मिर्जा नरेंद्र सिंह पिंटू ठाकुर दीपा यादव दीपिका मिश्रा सीसामाऊ विधानसभा अध्यक्ष वरुण जायसवाल आसिफ कादरी हर्ष यादव सतीश यादव अतीक अहमद मोहम्मद इकबाल रोहित बालिक राकेश चंद्र महेंद्र सिंह मनीष यादव आदिल सिद्दीकी आजाद आलम राजेंद्र सोनकर पार्षद लियाकत अली अर्पित त्रिवेदी दीपक खोटे शादाब आलम सुलेखा यादव नवीन जय नीरज जमालुद्दीन जुनैदी के केमिश्रा अरमान खान दिनेश विश्वकर्मा रमेश यादव आकाश यादव आदि सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

केमिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन ने दवा व्यापार सम्मेलन का किया आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर केमिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन कानपुर नगर एवं देहात समृद्ध इकाई द्वारा दवा व्यापारी सम्मेलन का आयोजन सिविल लाईंस स्थित मर्चेंट चेंबर हाल में अध्यक्ष अजय जायसवाल के नेतृत्व में आयोजित किया गया! कार्यक्रम का संचालन महामंत्री शिवकुमार गुप्ता ने किया साथ ही साथ अतिथियों का फूलमाला पटका मोमेंटो देकर स्वागत किया! दवा व्यापार सम्मेलन में कानपुर केमिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन प्रदेश अध्यक्ष संदीप चतुर्वेदी, प्रदेश महामंत्री सुरेश गुप्ता, सांसद रमेश अवस्थी, कैबिनेट मंत्री राकेश सचान विधायक अमिताभ बाजपेई, अरुण पाठक, नीलिमा कटियार, सुरेंद्र मैथानी, महेश त्रिवेदी, इत्यादि लोग उपस्थित हुए! प्रदेश अध्यक्ष संदीप चतुर्वेदी ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद कहते हुए कहा कि समाज में दवा के व्यापार करने वाले लोगों को भगवान का रूप माना जाता है लेकिन कुछ लोग अपने फायदे के लिए नकली दावोंओ का उपयोग कर रहे हैं जिन पर कार्रवाई होनी चाहिए। प्रदेश महामंत्री सुरेश गुप्ता ने कहा कि कानपुर केमिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा दवा व्यापार सम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसमें सभी लोग जो दवा व्यापार से जुड़े हैं मिलावटी दवा से दूर रहें मेहनत ईमानदारी से दवा का व्यापार करें जिससे व्यापारियों की छवि धूमित ना हो हमारे द्वारा दवा के व्यापार से न जाने कितने जीवन सुरक्षित रहते हैं लेकिन जब दवा व्यापारियों पर आरोप लगाते हैं नकली दवा मार्केट में बिक रही है और प्रशासन द्वारा कार्यवाही की जाती है तो सभी व्यापारियों की छवि खराब होती है। इस अवसर पर संतोष बाजपेई चंद्रभान सिंह अवधेश जायसवाल टिल्लू बृजेश मल्होत्रा, कार्यक्रम संयोजक विनोद गुप्ता, धर्मेश सिंह कैलाशपति मिश्र विजय गुप्ता किशन गुप्ता रंजन जायसवाल, मयंक जायसवाल राजीव मल्होत्रा रिकी सरदार धर्मेंद्र गुप्ता मनोज गुप्ता हरिशंकर सिंह इत्यादि उपस्थित हुए।

हरबंस मोहाल पुलिस ने किया चोरी का बड़ा खुलासा

कानपुर। पुलिस आयुक्त अखिल कुमार के नेतृत्व में प्रशासन चुस्त दुरुस्त हरबंश मोहाल पुलिस ने किया चोरी का बड़ा खुलासा। दबोचे गए 3 शातिर चोर बीते 27 अगस्त को आशुतोष कुमार राठौर के घर में चोरी की वारदात हुई थी ।जिसमें सोने चांदी के गहने व नगद रुपए चोरी हुए थे। हरबंश मोहाल थाने में आशुतोष ने लिखित तहरीर दी। फिर पुलिस ने शुरू कर दी चोरों की तलाश। सूचना के आधार पर गेट न 2 टेंपो स्टैंड के पास से 3 अभियुक्तों को हरबंश मोहाल पुलिस ने धर दबोचा। पकड़े गए अभियुक्त राज मौर्य, दिव्यांश उर्फ सुजल व नितिन वर्मा हैं। तीनों चोरों के पास से 2 हार, 6 अंगूठी, 1 चेन, 1 कान का झाला, 2 जोड़ी पायल व 1500 रुपए नगद बरामद हुआ है।* तीनों अभियुक्तों को विधिक कार्यवाही के उपरांत सलाखों के पीछे भेजा जा रहा है। क्षेत्र की जनता हरबंश मोहाल पुलिस की भूरि भूरि प्रशंसा कर रही है ।पुलिस के प्रति जनता का विश्वास बढ़ा है। इस गिरफ्तारी में प्रभारी निरीक्षक विक्रम सिंह, धन्य कुमार, आदित्य बाजपेई, प्रवीण कुमार, सुरदीप सिंह, सुमित कुमार, अमरदीप सिंह, कांस्टेबल शिव कुमार, गौरव चौधरी व अनुराग सिरोही का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

हाईटेंशन लाइन की चपेट में आने से किसान की मौत

कानपुर। शिवराजपुर में मंगलवार सुबह खेत पर काम कर रहे किसान की हाईटेंशन लाइन से उतरे करंट की चपेट में आकर मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने विधिक कार्यवाही शुरू की। परिजनों ने बिजली विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया है।

अंगीकृत प्राथमिक विद्यालय में नन्हे मुन्नों को बताए स्वच्छता के नियम

कानपुर। कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल के निर्देश के क्रम में विश्वविद्यालय ने अंगीकृत नवीन प्राथमिक पाठशाला रावतपुर में कृषि वैज्ञानिकों ने व्यक्तिगत व सामाजिक स्वच्छता के बारे में जानकारी देते हुए छात्र-छात्राओं को स्वच्छता के लाभ व सामाजिक स्वच्छता कैसे बनाए रखें के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र दिलीप नगर कानपुर देहात की गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी ने बच्चों को जानकारी देते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वच्छता महत्वपूर्ण है क्योंकि यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। स्वच्छता के माध्यम से व्यक्ति अपने शरीर को कीटाणु, बैक्टीरिया और वायरस से बचा सकता है। स्वच्छ रहने से संक्रमण का खतरा कम होता है और रोगों से बचाव से मदद मिलती है।

केस्को पीएफ घोटाले में कोर्ट ने सुनील शुक्ला के खिलाफ जारी किया वारंट, जल्द घोषित होगा इनाम

बीपीएस न्यूज

कानपुर। केस्को में कार्यरत कर्मचारियों के करोड़ों रुपए के पीएफ घोटाले का आरोप में जेल में बंद प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष अवनीश दीक्षित के पार्टनर सुनील शुक्ला उर्फ जीतू के खिलाफ कोर्ट ने गैर जमानती वारंट जारी कर दिया है। एफआईआर में पुलिस के नाम बढ़ाने के बाद से सुनील शुक्ला घर छोड़कर फरार हैं। पुलिस जल्द ही सुनील पर इनाम घोषित करेगी और कुर्की की कार्रवाई की भी तैयारी में है।

डीसीपी सेंट्रल दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि अशोक नगर निवासी सुनील शुक्ला उर्फ जीतू की कंपनी केस्को में संविदा कर्मचारियों की सप्लाई करती है। जीतू ने फर्जीवाड़ा करके अपनी कंपनी के जरिए काम करने वाले केस्को के संविदा कर्मचारियों का 90 लाख रुपए से ज्यादा का पीएफ की रकम हड़प गए। मामले में कर्नलगंज थाने में केस्को के अफसरों ने पीएफ घोटाले की एफआईआर दर्ज कराई थी, लेकिन रसूख के चलते पुलिस ने अपनी जांच में मुख्य आरोपी होने के बाद भी जीतू शुक्ला का नाम बाहर कर दिया था। अवनीश दीक्षित सिंडिकेट पर एफआईआर दर्ज होने के बाद जांच शुरू हुई तो पीएफ घोटाला भी सामने आया और तथ्यों के आधार पर सुनील शुक्ला का नाम आरोपियों में बढ़ा दिया गया। इसके बाद से सुनील शुक्ला फरार चल रहा है। इसके चलते कर्नलगंज थाने की पुलिस ने सुनील के खिलाफ एनबीडब्ल्यू के लिए सोमवार को कोर्ट में पैरवी की थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद सुनील शुक्ला के खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी कर दिया।

डॉट नाले का महापौर ने निरीक्षण कर सावधानी से काम करने की दी चेतावनी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। महापौर प्रमिला पांडे ने शुक्रवार दोपहर मंडलायुक्त के आवास के पास धंसे डॉट नाले की खबरों का संज्ञान लिया। यहां पर जोन-4 के अधिकारियों और आधा दर्जन से ज्यादा पार्षदों के साथ मौके का निरीक्षण किया। महापौर ने निरीक्षण में पाया, कि उक्त स्थान पर जलापूर्ति लाईन फट गयी, जिससे पानी बह रहा और डाट नाला भी धंस गया है। दोनों कार्य एक साथ होना है इसमें काफी सतर्कता से बनाना होगा। महापौर जलकल महाप्रबन्धक आनन्द कुमार त्रिपाठी और मुख्य अभियन्ता सिविल सैयवद फरीद अख्तर जैदी को निर्देशित किया, कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य कराया जाये, क्योंकि जल्द कार्य नहीं कराया गया तो सड़क धंसती जायेगी। यहां पर लगातार पानी के बहने से आसपास के मकानों को भी खतरा हो सकता है। जिस पर महापौर ने अभियंता विभाग को निर्देश दिया कि जल्द से जल्द यहां पर पानी के बहाव को रोका जाए इसके बाद मरम्मत का काम शुरू किया जाए। महापौर ने कहा कि काम में किसी तरह की हीला-हवाली बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि वह काम पर स्वयं नजर बना कर रखेंगी। 5 दिन बाद वह स्वयं एक बार फिर से मौके का निरीक्षण करेंगी।

निरीक्षण के दौरान महापौर प्रमिला पांडे, पार्षद नीरज वाजपेयी, पार्षद पवन पाण्डेय, पार्षद कमलेश त्रिवेदी, पार्षद रामनारायण, पार्षद संजय बाथम, पार्षद सौरभ देव, एवं जोनल अधिकारी, जोन-4 राजेश सिंह, अधिशासी अभियंता आरके तिवारी, समेत बड़ी संख्या में नगर निगम के अधिकारी मौजूद रहे।

विघ्नहर्ता, शुभकर्ता गणेशजी बहुआयामी देवता है

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं। प्राचीन काल से हिन्दू समाज कोई भी कार्य निर्विघ्न सम्पन्न करने के लिए उसका प्रारम्भ गणपति की पूजा से ही करता आ रहा है। प्रतिकूल, अशुभ, अज्ञान एवं दु:ख से परेशान मनुष्य के लिये गणेश ही तारणहार हैं। वे सात्विक देवता हैं और विघ्नहर्ता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। भाद्रपद शुक्ल की चतुर्थी को सिद्धि विनायक भगवान गणेश का जन्म हुआ। गणेशोत्सव हिन्दुओं का एक उत्सव है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, रिद्धि-सिद्धि, वैभव, आनन्द, ज्ञान एवं शुभता के अधिष्ठाता देव हैं। प्रथम देव होने के साथ-साथ उनका व्यक्तित्व बहुआयामी है, लोकनायक का चरित्र हैं। इसलिये वे सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदैशिक लोकप्रियता वाले देव है।

गणेश के रूप में विष्णु शिव-पार्वती के पुत्र के रूप में जन्म थे। उनके जन्म पर सभी देव उन्हें आशीर्वाद देने आए थे। विष्णु ने उन्हें ज्ञान का, ब्रह्मा ने यश और पूजन का, धर्मदेव पे धर्म तथा दया का आशीर्वाद दिया। शिव ने उदारता, बुद्धि, शक्ति एवं आत्म संयम का आशीर्वाद दिया। लक्ष्मी ने कहा कि जहां गणेश रहेंगे, वहां मैं रहूंगी।' सरस्वती ने वाणी, स्मृति एवं वक्तृत्व-शक्ति प्रदान की। सावित्री ने बुद्धि दी। त्रिदेवों ने गणेश को अग्रपूज्य, प्रथम देव एवं रिद्धि-सिद्धि प्रदाता का वर प्रदान किया। गणेशजी की आकृति विचित्र है, किन्तु इस आकृति के आध्यात्मिक संकेतों के रहस्य को यदि समझने का प्रयास किया जाये तो सनातन लाभ प्राप्त हो सकता है। क्योंकि गणेश अर्थात् शिव पुत्र अर्थात शिवत्व प्राप्त करना होगा अन्यथा क्षेम एवं लाभ की कामना सफल नहीं होगी। गजानन गणेश की व्याख्या करें तो ज्ञात होगा कि 'गज' दो व्यंजनों से बना है। 'ग' प्रतीक है गति और गंतव्य का तो 'ज' जन्म अथवा उद्गम का प्रतीक है। अर्थात् गज शब्द उत्पत्ति और अंत का संकेत देता है-जहाँ से आये हो वहीं जाओगे। जो जन्म है वही मृत्यु भी है। ब्रह्म और जगत के यथार्थ को बनाने वाला ही गजानन गणेश है।

गणेश भारतीय संस्कृति के अभिन्न अंग हैं, वे सात्विक देवता हैं। वे न केवल भारतीय संस्कृति एवं जीवनशैली के कण-कण में व्याप्त है बल्कि विदेशों में भी घर-कारों-कार्यालयों एवं उत्पाद केन्द्रों में विद्यमान हैं। हर तरफ गणेश ही गणेश छाए हुए है। मनुष्य के दैनिक कार्यों में सफलता, सुख-समृद्धि की कामना, बुद्धि एवं ज्ञान के विकास एवं किसी भी मंगल कार्य को निर्विघ्न सम्पन्न करने हेतु गणेशजी को ही सर्वप्रथम पूजा जाता है, याद किया जाता है। महाराष्ट्र का गणेशोत्सव विशेष रूप से प्रसिद्ध है। हजारों स्थानों पर भारतीय कला और संस्कृति की भिन्न-भिन्न गणेश-छवियों के दर्शन होते हैं। रात्रि में सर्वत्र रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाते हैं। अंतिम दिन बड़ी धूमधाम से गणेश-प्रतिमाओं का विसर्जन नदी तटों, सरोवरों अथवा समुद्र में किया जाता है। दिन-प्रतिदिन गणेश चतुर्थी को अधिक से अधिक भव्यता से मनाने का प्रचलन बढ़ता ही जा रहा है। भारतीय संस्कृति एक ईश्वर की विशाल कल्पना के साथ अनेकानेक देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना से फलती-फूलती रही है। सब देवताओं की पूजा से प्रथम गणपति की पूजा का विधान है। दरअसल गणेश सुख-समृद्धि, वैभव एवं आनंद के अधिष्ठाता हैं। बड़े एवं साधारण सभी प्रकार के लौकिक कार्यों का आरंभ उनके दिव्य स्वरूप का स्मरण करके किया जाता है। व्यापारी अपने बही-खातों पर 'श्री गणेशाय नमः' लिख कर नये वर्ष का आरंभ करते हैं। प्रत्येक कार्य का शुभारंभ गणपति पूजन एवं गणेश वंदना से किया जाता है। विवाह का मांगलिक अवसर हो या नए घर का शिलान्यास, मंदिर में मूर्ति की प्राण-प्रतिष्ठा का उत्सव हो या जीवन में षोड्स संस्कार का प्रसंग, गणपति का स्मरण सर्वप्रथम किया जाता है। स्कंद पुराण के अनुसार जो भक्ति-पूर्वक गणेश की पूजा-अर्चना करता है, उसके सम्मुख विघ्न कभी नहीं आते।

गणपति बप्पा मोर्या

क्यों कहा जाता है भगवान गणेश को एकदंत

भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत करने से पहले भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, गजानन और एकदंत आदि नामों से जाना जाता है।

भगवान गणेश को प्रथम पूज्य देवता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य की शुरूआत करने से पहले भगवान गणेश की पूजा-अर्चना की जाती है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता, गजानन और एकदंत आदि नामों से जाना जाता है।

वहीं तमाम भक्त भगवान गणेश की कृपा व आशीर्वाद पाने के लिए मंदिरों में जाते हैं। वैसे तो हमारे देश में भगवान गणेश को समर्पित तमाम मंदिर हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गजानन के उस मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जहां पर परशुराम और गणेश में युद्ध हुआ था। इस युद्ध में भगवान गणेश का एक दांत टूट गया था। जिसके कारण उनका नाम एकदंत पड़ गया था।

3000 फीट की ऊंचाई पर है मंदिर

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में बैलाडिला की ढोलकल पहाड़ी पर भगवान श्रीगणेश का यह विशेष मंदिर स्थित है। यह मंदिर समुद्र तल से 3000 फीट की ऊंचाई पर स्थित है और मंदिर में गणेश जी की प्रतिमा स्थापित है। बताया जाता है कि मंदिर में स्थापित गणेश जी की प्रतिमा ढोलक के आकार की है। जिसके कारण इस पहाड़ी का नाम ढोलकल पड़ गया।

जानिए ढोलकर मंदिर की कथा

पौराणिक कथा के मुताबिक इस पहाड़ी के शिखर पर श्रीगणेश और परशुराम जी में युद्ध हुआ था। युद्ध के दौरान परशुराम के फरसे से भगवान गणेश का एक दांत टूट गया था। जिसकी वजह से उनको गजानन एकदंत कहा जाता है। वहीं परशुराम के फरसे से गणेश जी का दांत टूटा, इसलिए पहाड़ी के शिखर के नीचे बसे गांव का नाम फरसपाल पड़ गया।

बता दें कि ढोलकट्टा (ढोलकल) की महिला पुजारी से दक्षिण बस्तर के भोगामी आदिवासी परिवार अपनी उत्पत्ति मानते हैं।

इसी की याद में छिंदक नागवंशी राजाओं ने शिखर गजानन की प्रतिमा स्थापित की थी। वहीं पुरातत्ववेत्ताओं के मुताबिक इस शिखर पर ललितासन मुद्रा में विराजमान दुर्लभ गणेश भगवान की प्रतिमा करीब 11वीं शताब्दी की बताई जाती है। यहां पर रहने वाले लोग 12 महीने ढोलकर मंदिर में श्रीगणेश की पूजा-अर्चना करते हैं। वहीं फरवरी महीने में यहां पर मेले का आयोजन होता है।

भगवान श्री गणेश को समर्पित म्यूजिक वीडियो 'गजानन सत सत करूँ प्रणाम' रिलीज

'मुंबई ग्लोबल' समाचार पत्र और 'मुम्बई ग्लोबल म्यूजिक' के सीईओ राजकुमार तिवारी और मयूरी मीडिया वर्क के सीईओ पुनीत आर खरे द्वारा संयुक्तरूप से निर्मित म्यूजिक वीडियो 'गजानन सत सत करूँ प्रणाम' को बॉलीवुड के मशहूर संगीत निर्देशक दिलीप सेन के द्वारा रिलीज कर दिया गया है। भगवान श्री गणेश को समर्पित इस म्यूजिक वीडियो के निर्देशक अजहर हुसैन और लिरिक्स राइटर हरि ओम वर्मा हैं और संगीतबद्ध किया है प्रदीप रंजन ने।

इस म्यूजिक लांच के अवसर पर बॉलीवुड के कई जाने माने कलाकार भी उपस्थित रहे। निर्माता राजकुमार तिवारी ने कहा कि राह बेहद सुखद अनुभव रहा और पूरी टीम का उन्होंने आभार व्यक्त किया। मयूरी मीडिया वर्क के सीईओ और इस एलबम के निर्माता पुनीत आर खरे ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि भगवान गणपति के म्यूजिक वीडियो सॉन्ग से हमारी शुरुआत हुई है और हम आगे भी नए प्रोजेक्ट लाते रहेंगे। इस म्यूजिक वीडियो में सुनीता बाबा (अर्पिता), सुनील पाल और राजकुमार कन्नौजिया ने काम किया है।

प्रस्तुति : काली दास पाण्डेय

मुसलमानों का सबसे बड़ा देश, जहां 700 साल से खौलते लावे को थामे बैठे हैं गणपति

जरा सोचिए, एक ऐसा देश, जहां दुनिया में सबसे ज्यादा आबादी मुसलमानों की है, जहां रिकॉर्ड्स के मुताबिक 141 ज्वालामुखी हैं, जिसमें से 130 अभी तक एक्टिव हैं और उस मुस्लिम देश के एक इलाके में लावा के पास गणपति की मूर्ति है. यह जानकार आप जरूर चौंक उठेंगे. लेकिन यह सच है.

यह देश है इंडोनेशिया, जहां पूरी दुनिया के करीब 13 प्रतिशत मुसलमान रहते हैं. जिस इलाके में गणपति लावे के पास स्थित हैं, वह जगह है माउंट ब्रोमो. यह ईस्ट जावा प्रांत के प्रोमो टेंगर सेमेरू नेशनल पार्क के तहत आता है. यहां जो गणपति की मूर्ति है वह 700 साल पुरानी है. लोगों का मानना है कि यहां भगवान गणपति उनकी ज्वालामुखी से रक्षा करते हैं.

गणपति की मूर्ति की क्या है खासियत ?

'ब्रोमो' शब्द हिंदू मान्यताओं के अनुसार सृष्टि बनाने वाले देवता ब्रह्मा के जावानीस उच्चारण से लिया गया है. लेटेस्ट रिकॉर्ड्स के मुताबिक इंडोनेशिया में 130 एक्टिव ज्वालामुखी हैं और करीब 50 लाख लोग डेंजर जोन के आसपास रहते हैं. माउंट ब्रोमो में स्थित गणपति की मूर्ति का बेहद खास महत्व है. टेंगर मासिफ जनजाति की किंवदंतियों में दृढ़ विश्वास है कि गणेश की मूर्ति लगभग 700 साल पहले उनके पूर्वजों ने यहां स्थापित की थी, जिसके कारण वे गणेश को कई तरह के प्रसाद भी चढ़ाते हैं, ताकि उनकी खेती-बाड़ी और जानवरों को कोई नुकसान ना हो.

चाहे ज्वालामुखी फट जाए, नहीं रुकती पूजा

दिलचस्प यह है कि गणपति की पूजा यहां कभी नहीं रुकती, चाहे ज्वालामुखी ही क्यों ना फट जाए, यह एक परंपरा है जिसका पालन यहां किसी भी चीज की परवाह किए बिना किया जाता है. भगवान गणेश की पूजा के अलावा यहां प्रसाद के रूप में फूल और फल चढ़ाए जाते हैं. ऐसा माना जाता है कि अगर ऐसा नहीं किया गया तो ज्वालामुखी फट जाएगा और यहां के लोगों को निगल जाएगा.

काली चट्टानों से किया गया मंदिर का निर्माण

स्थानीय मंदिर 'पुरा लुहुर पोटेन' में 'यदन्या कसादज' नामक एक त्योहार भी मनाया जाता है, जिसे केसाडा भी कहा जाता है. यह त्योहार इंडोनेशियाई हिंदुओं की मान्यता के अनुसार उनके अपने हिंदू सर्वोच्च भगवान 'विदी वासा' के लिए मनाया जाता है. इन लोगों के सर्वोच्च भगवान विडी वासा कोई और नहीं बल्कि ब्रह्मा हैं, जिनका जिक्र वेदों में भी मिलता है. पुरा लुहुर पोटेन मंदिर में भगवान गणेश की एक सुंदर मूर्ति भी है. मंदिर का निर्माण ज्वालामुखी से निकली काली चट्टानों से किया गया था.

भगवान गणेश के संरक्षण में स्थित माउंट ब्रोमो अपने आश्चर्यजनक सूर्योदय और ज्वालामुखी के गड्ढे के दृश्य के लिए मशहूर है. लेकिन ब्रोमो अभी भी दुनिया के एक्टिव ज्वालामुखी में शुमार है और खतरे की वजह से यहां टूरिस्ट्स का जाना मना है. लेकिन ब्रोमो में रहने वाले स्थानीय लोगों का मानना है कि उनको भगवान गणेश हर मुसीबत से बचा लेंगे.

अयोध्या में होना है उपचुनाव, बीजेपी में दिखी फूट, पूर्व सांसद ने दिखाए बागी तेवर

यूपी में 10 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है. इनमें अयोध्या की मिल्कीपुर सीट बीजेपी के लिए प्रतिष्ठा का प्रश्न बन गई है. इस सीट से सपा विधायक रहे अवधेश प्रसाद ने लोकसभा चुनावों में बीजेपी के लल्लू सिंह को हरा दिया. राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के बाद इस सीट को बीजेपी की प्रतिष्ठा से जोड़कर देखा जा रहा था. अब हारने के बाद बीजेपी किसी भी तरह मिल्कीपुर को जीतकर यूपी में सपा के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन से हिसाब चुकता करना चाहती है.

लिहाजा सीएम योगी आदित्यनाथ का पूरा फोकस इस सीट पर है.

वो लगातार अयोध्या का दौरा भी कर रहे हैं. वो सात सितंबर को भी अयोध्या में एक शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में पहुंचे थे. उसी दिन अयोध्या में एक दूसरा घटनाक्रम भी हुआ जोकि बीजेपी को असहज करने वाला है क्योंकि पार्टी इन उपचुनावों में पूरी तरह से एकजुटता

दिखाते हुए मिल्कीपुर समेत उपचुनावों में अधिकाधिक सीटों पर जीत दर्ज कर यूपी में लोकसभा चुनाव में अपने खराब प्रदर्शन से उबरने का प्रयास कर रही है लेकिन अयोध्या में ही पार्टी की अंदरूनी कलह एक बार फिर गुरुवार को सतह पर आ गई और अपने पूर्व सांसद लल्लू सिंह की

बगावत का सामना करना पड़ा.लल्लू सिंह ने अचानक छोड़ा मंचदरअसल इस वक्त बीजेपी का यूपी समेत पूरे देश में सदस्यता अभियान भी चल रहा है. लिहाजा अयोध्या सर्किट हाउस में सदस्यता अभियान के संबंध में भाजपा के प्रदेश महासचिव संजय राय द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई गई थी. उस कार्यक्रम में भाजपा नेता और फैजाबाद के पूर्व सांसद लल्लू सिंह भी मौजूद थे लेकिन अचानक गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के बीच में ही उठे और कार्यक्रम को छोड़कर चले गए. उन्होंने आरोप लगाया कि "मंच पर माफिया तत्व मौजूद हैं. मैं माफिया के साथ नहीं बैठ सकता."

अयोध्या में भाजपा के प्रदेश नेतृत्व द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस से अचानक बाहर निकलते के बाद उन्होंने आरोप लगाया कि मंच पर माफिया तत्व मौजूद थे जिसके बाद उन्हें उठकर परिसर से बाहर जाना पड़ा. लल्लू सिंह ने सीधे किसी का नाम नहीं लिया. लेकिन, उनका इशारा स्पष्ट रूप से मंच पर बैठे भाजपा नेता शिवेंद्र सिंह की ओर था. सिंह ने मीडियाकर्मियों से कहा, "मंच पर माफिया मौजूद थे और मैं खुद को ऐसे तत्वों से कभी नहीं जोड़ सकता. मैंने माफिया के खिलाफ लगातार लड़ाई लड़ी है, क्योंकि वे समाज का शोषण और उत्पीड़न करते हैं."

गौरतलब है कि शिवेंद्र सिंह पर हत्या के प्रयास और गैंगस्टर अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया था और वह वर्ष 2018 में फैजाबाद जेल में बंद थे. बाद में उन्हें बाराबंकी जेल में स्थानांतरित कर दिया गया था. शिवेंद्र सिंह ने कहा, "पूर्व सांसद लल्लू सिंह ने अपने पूरे चुनाव में कुख्यात अपराधियों और खूंखार हिस्ट्रीशीटर के साथ व्यक्तिगत रूप से प्रचार किया जिसके कारण अंतत: चुनाव में उनकी हार हुई."

बीजेपी का सदस्यता अभियान

यूपी बीजेपी के अंदरखाने से खबर आ रही है कि प्रदेश में सदस्यता अभियान पूरा होने के बाद बड़ा बदलाव होगा. लोकसभा चुनाव में जिन सीटों पर पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था

उनके जिला और महानगर अध्यक्ष बदले जाएंगे. करीब 50 ऐसे जिला अध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष हैं जिनको हटाया जाएगा. बड़े पैमाने पर संगठन में बदलाव होगा. मंडल से लेकर ऊपर तक दिखेगा असर. बीजेपी ने प्रदेश को संगठनात्मक 98 जिलों में बांट रखा है. 15 अक्टूबर के बाद सबसे पहले गाज जिलाध्यक्ष और महानगर अध्यक्ष पर गिरेगी.

उत्तर प्रदेश के मदरसे में 100 रुपये के नकली नोटों के रैकेट का भंडाफोड़, प्रिंसिपल और 3 अन्य गिरफ्तार

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में उच्च गुणवत्ता वाले नकली नोट छापने वाले गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। यह धंधा अतरसुइया इलाके के एक मदरसे से चलाया जा रहा था और मदरसे के कार्यवाहक प्रिंसिपल समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस ने 28 अगस्त को जामिया हबीबिया मदरसे पर छापा मारा और 1.3 लाख रुपये के नकली नोट, अर्ध-निर्मित मुद्रा, एक प्रिंटर और जालसाजी के लिए इस्तेमाल की जाने वाली अन्य सामग्री जब्त की।मोहम्मद तफसीरुल आरिफीन (25), मोहम्मद अफजल, मोहम्मद शाहिद और जहीर खान उर्फ ??अब्दुल जहीर के रूप में पहचाने गए आरोपी 100 रुपये के नकली नोटों को स्कैन करने और छापने में शामिल थे। फिर इन नोटों को स्थानीय बाजार में प्रसारित किया जाता था।मदरसे पर पुलिस की छापेमारी दिखाई गई है।100 रुपये के नकली नोटों के बंडल, जो असली नोटों से अलग नहीं लग रहे थे, चारों ओर बिखरे पड़े थे। नकली नोट बनाने के लिए इस्तेमाल किए गए प्रिंटर को भी देखा जा सकता है।

आरोपी 100 रुपये के नकली नोट बनाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले स्कैनर और प्रिंटर का इस्तेमाल कर रहे थे, क्योंकि लोग अक्सर छोटे नोटों की प्रामाणिकता की सावधानीपूर्वक जांच नहीं करते हैं।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के अनुसार, कार्यवाहक प्रिंसिपल तफ़सीरुल ने गिरोह को संचालित करने के लिए मदरसे में एक कमरा उपलब्ध कराया था।पुलिस अब इस रैकेट में शामिल अन्य साथियों की तलाश कर रही है।मदरसे के बारे में यह जाना जाता था कि वह पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, बिहार और झारखंड सहित विभिन्न राज्यों से छात्रों को आकर्षित करता है।तफ़सीरुल उड़ीसा के भद्रक जिले का मूल निवासी है।नकली नोट बनाने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करने वाली पुलिस टीम को 25,000 रुपये का इनाम देने की घोषणा की गई है।

बुलडोजर राजनीति छोड़कर जंगली जानवरों से निपटने की रणनीति बनाए सरकार: मायावती

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश सरकार को सलाह दी कि वह बुलडोजर राजनीति छोड़कर जंगली जानवरों से निपटने की रणनीति बनाए।

मायावती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, उप्र के कुछ जिलों में जंगली जानवर बच्चों, बुजुर्गों, नौजवानों आदि पर हमला कर रहे है। उसे रोकने के लिए सरकार जरुरी कदम उठाये। मजदूर और गरीब लोग जंगली जानवरों के हमलों के डर की वजह से अपने पशुओं के चारे का प्रबन्ध तथा मजदूरी भी नहीं कर पा रहे हैं। उनके लिए उचित व्यवस्था की जाये। उन्होंने कहा, साथ ही सरकार जंगली जानवरों से निपटने की भी रणनीति बनाये।इस समय सरकार व सपा को बुलडोजर की राजनीति करने की बजाय यह मामला अदालत पर छोड़ देना चाहिये, जहाँ न्याय मिलने की पूरी उम्मीद है। मायावती ने बस्ती जिले में एक निजी एम्बुलेंस चालक द्वारा एक मरीज की पत्नी से दुष्कर्म की कोशिश की घटना का जिक्र करते हुए कहा, बस्ती जिले में निजी एम्बुलेंस चालक ने एक मरीज को ले जाते समय, उसकी पत्नी के साथ छेड़छाड व दुष्कर्म करने की कोशिश की। यह अत्यंत शर्मनाक है। पीड़िता के पति की मृत्यु हो गई है। सरकार को चालक के विरूद्ध कठोर कार्रवाई करनी चाहिए।

बुलडोजर पर यूपी में ठन गई! अखिलेश बोले- गोरखपुर में चलाएंगे, बाबा बोले- जिगर चाहिए

सुप्रीम कोर्ट के बुलडोजर कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाने के बाद अखिलेश यादव ने बुलडोजर एक्शन को लेकर एक बयान दिया था, जिसके बाद यूपी के सीएम योगी ने अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया. यूपी के सीएम और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बीच बुलडोजर एक्शन पर संग्राम छिड़ गया है. आइए जानते हैं दोनों ने क्या कहा और बुलडोजर एक ?शन पर सुप्रीमकोर्ट ने क्या की थी टिप्पणी.

बुलडोजर चलाने के लिए जिगरा- योगी

सीएम योगी ने सपा प्रमुख पर पलटवार करते हुए कहा है कि बुलडोजर चलाने के लिए दिल और दिमाग दोनों चाहिए. उस पर सबका हाथ सेट नहीं हो सकता है. बुलडोजर जैसी क्षमता और दृढ़ प्रतिज्ञा जिसमें हो वही बुलडोजर चला सकता है. दंगाइयों के सामने नाक रगड़ने वाले लोग बुलडोजर के सामने वैसे ही पस्त हो जाएंगे.

टीपू भी सुल्तान बनने का सपना देख रहे

सीएम योगी ने अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि टीपू भी सुल्तान बनने का सपना देख रहे हैं, उन्हें जब मौका मिला तो प्रदेश में जाति-जाति और धर्म को धर्म से लड़ाया. बुलडोजर हर कोई नहीं चला सकता. इसके लिए जिगरा चाहिए. उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग (क्क्स्स्ष्ट) द्वारा चयनित 1,334 अवर अभियंता, संगणक एवं फोरमैन को नियुक्ति-पत्र वितरण हेतु लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में योगी बोल रहे थे, इसके पहले अखिलेश यादव नेयोगी का यह बयान अखिलेश यादव के बयान के बाद आया है. जानें अखिलेश यादव ने क्या कहा था.

गोरखपुर में चलेगा बुलडोजर- अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने इसके पहले कहा था कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का सफाया होगा और देश की राजनीति उसके चुनावी परिणाम से प्रभावित होगी. भाजपा की सरकार में निर्दोष लोगों को सताया जा रहा हैं. किसान परेशान है. नौजवानों का भविष्य अंधकारमय है. समाज का हर वर्ग परेशान, बदहाल है. 2027 में समाजवादी सरकार बनते ही पूरे प्रदेश के बुलडोजरों का रूख गोरखपुर की तरफ होगा. अखिलेश ने ये बातें मंगलवार को लखनऊ में पार्टी के मुख्यालय में कहीं. उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था.'अखिलेश यादव देख रहे मुंगेरीलाल का सपना'

अखिलेश यादव के इस बयान के बाद यूपी में राजनैतिक माहौल गरमा गया है, वहीं, बीजेपी प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने कहा कि बुलडोजर अपराधियों पर चला है, लेकिन पेट में दर्द अखिलेश जी के क्यों होता है. बुलडोजर चलाने का सपना मुंगेरीलाल और शेखचिल्ली के सपने जैसा है. अखिलेश यादव सपने में भी दुर्भावनापूर्ण, बदले की राजनीति की बात सोचते हैं. 2027 में जनता अखिलेश के सपनों पर बुलडोजर चलाएगी.

बुलडोजर पर सुप्रीमकोर्ट की सख्त टिप्पणी

सपा मुखिया का यह रिएक्शन बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी के बाद आया था.

देश के कई राज्यों में अभियुक्तों की संपत्ति के खिलाफ 'बुलडोज़र एक्शन' की कार्रवाई करने के मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख़्त टिप्पणी की थी. कोर्ट ने कहा था कि सिर्फ आरोपी होने के आधार पर किसी के घर को गिराना उचित नहीं है. अदालत ने शासन और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि अगर कोई व्यक्ति दोषी भी है, तो भी उसके घर को गिराया नहीं जा सकता. बेंच ने कहा है कि सुप्रीम कोर्ट दिशानिर्देश तय करेगा जिसके आधार पर ही जब भी तोड़फोड़ की कार्रवाई की ज़रूरत होगी तो उसी आधार पर वो की जाएगी.

बलात्कार के दोषियों को मौत की सजा, ममता सरकार का 'अपराजिता' बिल पास हुआ

'अपराजिता महिला एवं बाल (पश्चिम बंगाल आपराधिक कानून संशोधन) विधेयक' मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा से पारित हो गया. विपक्ष के पूर्ण समर्थन के साथ बलात्कार रोधी विधेयक सर्वसम्मति से पारित हो गया. बहरहाल, सदन ने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी द्वारा विधेयक में प्रस्तावित संशोधन स्वीकार नहीं किए. बिल के ड्राफ्ट में बलात्कार पीड़िता की मौत होने या उसके स्थायी रूप से अचेत अवस्था में चले जाने की सूरत में ऐसे दोषियों के लिए मृत्युदंड के प्रावधान का प्रस्ताव किया गया है. इसके अतिरिक्त, मसौदे में प्रस्ताव किया गया है कि बलात्कार और सामूहिक बलात्कार के दोषी व्यक्तियों को आजीवन कारावास की सजा दी जाए, और उन्हें पेरोल की सुविधा न दी जाए.

भारतीय न्याय संहिता 2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम 2012 के तहत प्रासंगिक प्रावधान में संशोधन की मांग करने वाला विधेयक सभी उम्र के पीड़ित पर लागू होगा.

विधेयक के तहत, बलात्कार और हत्या के मामलों में दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई जाएगी. इसका मतलब है कि उन्हें अपना पूरा जीवन जेल में बिताना होगा महज कुछ वर्षों के बाद छोड़ा नहीं जाएगा. इसमें आर्थिक दंड के प्रावधान भी होंगे.फास्ट्रैक कोर्ट और स्पेशल जांच दल बनाने का प्रस्ताव. इस जांच टीम को विशेष सुविधाएं दी जाएंगी. ट्रायल प्रक्रिया तय समय में पूरी होनी चाहिए.

गंभीर अपराधों के मामले में न्यूनतम 7 दिनों के भीतर पूरा किया जाना चाहिए. यह कम से कम एक महीने पहले था. जबकि मूल कानून में एक साल के अंदर सजा दी जानी थी.

मूल कानून के अनुसार पुलिस स्टेशन को घटना दर्ज करने के दो महीने के भीतर अपनी जांच पूरी करनी होती थी. संशोधन में इसे 21 दिन के अंदर पूरा करना होगा.यदि कोई मामला पाया जाता है तो 21 दिन के अंदर जांच पूरी नहीं हो रही है, तो इसमें 15 दिन का अतिरिक्त समय दिया जा सकता है. हालांकि, यह जिला पुलिस अधीक्षक स्तर के किसी व्यक्ति को दिया जाना चाहिए.

बलात्कार के लिए आजीवन कारावास और जुर्माना या मौत की सजा है.

सामूहिक बलात्कार के मामले में जुर्माना और आजीवन कारावास और मौत.

बलात्कार के आरोप के अलावा, यदि बलात्कारी द्वारा पहुंचाई गई चोटों के कारण मृत्यु होती है, तो अभियुक्त को मृत्युदंड और जुर्माना लगाया जाएगा.

कोमा में चले गए तो भी मौत की सजा और जुर्माना. सभी मामले गैर जमानती धारा के तहत होंगे.बनर्जी ने कहा, 'ज्मैंने प्रधानमंत्री को दो पत्र लिखे थे, लेकिन मुझे उनकी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला, बल्कि मुझे महिला एवं बाल विकास मंत्री की तरफ से जवाब मिला, लेकिन मैंने उनके जवाब का भी जवाब देकर प्रधानमंत्री को अवगत कराया. जब चुनाव से पहले जल्दबाजी में न्याय संहिता विधेयक पारित किया गया था, तब मैंने कहा था कि इसे जल्दबाजी में पारित नहीं किया जाना चाहिए, इसमें राज्यों से सलाह नहीं ली गई. मैंने कई बार इसका विरोध किया था कि इस बारे में राज्यों से कोई सलाह नहीं ली गई, इसे राज्यसभा, विपक्ष, सभी दलों से चर्चा करके पारित करें, लेकिन ऐसा नहीं किया गया. इसलिए आज हम यह (विधेयक) ला रहे हैंज्आप याद रखें, जिस तरह से आपने मेरा अपमान किया है, हमने कभी उस तरह प्रधानमंत्री का अपमान नहीं किया हैज्'

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, 'डॉक्टर की मौत 9 अगस्त को हुईज् मैंने मृतक डॉक्टर के माता-पिता से उसी दिन बात की जिस दिन घटना हुई, उनके घर जाने से पहले उन्हें सारा ऑडियो, वीडियो, ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज सब कुछ दिया गया ताकि उन्हें सब पता चल सके. मैंने उनसे साफ कहा कि मुझे रविवार तक का समय दें, अगर हम तब तक सभी को गिरफ्तार नहीं कर पाए तो मैं खुद सोमवार को इसे ष्टक्चढ्ढ को सौंप दूंगीज् पुलिस ने 12 घंटे में मुख्य आरोपी को पकड़ लिया, मैंने पुलिस से कहा कि फास्ट ट्रैक कोर्ट में जाएं और फांसी की सजा के लिए आवेदन करें लेकिन मामला ष्टक्चढ्ढ को दे दिया गया. अब हम ष्टक्चढ्ढ से न्याय की मांग कर रहे हैं. हम शुरू से ही फांसी की सजा की मांग कर रहे हैं.'

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, 'ज्यह विधेयक सुनिश्चित करेगा कि महिला उत्पीड़न व बलात्कार जैसे मामलों में के लिए सख्त से सख्त सजा हो. इसमें भारतीय दंड संहिता और क्क्रुष्टस्ô अधिनियम के प्रावधानों को और सख्त किया गया हैज् बलात्कार के दोषियों के लिए मृत्युदंड का प्रावधान किया गया है, अगर उनके कृत्यों के परिणामस्वरूप पीड़िता की मृत्यु हो जाती है या वे गंभीर मस्तिष्क क्षति का शिकार हो जाती हैंज् इसके तहत अपराजिता टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा, जिसमें प्रारंभिक रिपोर्ट के 21 दिनों के भीतर सजा दी जाएगीज् मैंने पहले ही स्वास्थ्य सचिव से कहा है कि जिन मार्गों पर नर्स और महिला डॉक्टर यात्रा करती हैं।

सीएम ने आगे कहा, हमने 'रात्रि साथी' का भी प्रावधान किया है, जिसमें कहा गया है कि महिलाएं 12 घंटे ड्यूटी करेंगी, और जरूरत पड़ती है तो डॉक्टर उनकी ड्यूटी बढ़ाएंगेज् हमने महिलाओं की सुरक्षा के लिए ऐसा किया है. रात में काम करने वाली महिलाओं को पूरी सुरक्षा दी जाएगी, हमने अस्पतालों, स्कूलों, मिड-डे मील केंद्रों को भी उचित कदम उठाने को कहा है. यहां से ये बिल पास होने के बाद राज्यपाल के पास जाएगा, उनके पास से पास होने के बाद राष्ट्रपति के पास जाएगा और उनकी मंजूरी के बाद ये इतिहास बन जाएगा. हर राज्य इसे मॉडल बनाएगा. प्रधानमंत्री ये नहीं कर पाए, इसलिए हम ये कर रहे हैंज्'मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, '43 साल पहले इसी दिन 1981 में, संयुक्त राष्ट्र ने महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए 'महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर सम्मेलन' के लिए एक समिति बनाई थीज् मैं नागरिक समाजों से लेकर छात्रों तक सभी का अभिनंदन करती हूं, जो महिला सुरक्षा के लिए आवाज उठा रहे हैं.'

महबूबा मुफ्ती का उमर अब्दुल्ला पर तंज, कहा, पहले चुनाव नहीं लड़ना चाहते थे अब 2 जगह से लड़ रहे

पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष उमर अब्दुल्ला के जम्मू और कश्मीर की दो विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने पर तीखा कटाक्ष करते हुए कहा कि उमर अब्दुल्ला स्थिति के अनुसार अपना रुख बदलते रहे हैं। पीडीपी चीफ महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उमर अब्दुल्ला पिछले 3-4 साल से एक बात दोहरा रहे थे कि जब तक जम्मू-कश्मीर में राज्य का दर्जा बहाल नहीं हो जाता, वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने यहां तक ??कहा कि वह एक केंद्र शासित प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में हर छोटे आदेश को मंजूरी देने के लिए एलजी से विनती नहीं कर सकते।

महबूबा मुफ्ती ने तंज कसते हुए कहा कि अब वह दो सीटों से चुनाव लड़ रहे हैं। इससे पता चलता है कि वह जो कहते हैं और जो करते हैं उसमें कितना अंतर है।' उनका परिवार 1947 से यही कर रहा है। उन्होंने पहले कहा था कि पीडीपी ने कभी भी सत्ता की लालसा के लिए चुनाव नहीं लड़ा है, बल्कि पार्टी ने हमेशा पार्टी के एजेंडे को बरकरार रखा है। उमर अपने परिवार के गढ़ गांदरबल के अलावा मध्य कश्मीर के बडगाम से भी चुनाव लड़ेंगे। जम्मू-कश्मीर में 2014 में हुए पिछले विधानसभा चुनाव में उमर ने बडगाम से सटी बीरवाह विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की.

मुफ्ती ने घोषणा की है कि वह आगामी विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगी, मौजूदा स्थिति को देखते हुए, अगर वह मुख्यमंत्री बन जाती हैं तो भी उनकी पार्टी के एजेंडे को लागू करना संभव नहीं है। उनकी जगह उनकी बेटी इल्तिजा मुफ्ती इस बार चुनावी मैदान में उतरेंगी। जम्मू-कश्मीर में 2014 के विधानसभा चुनाव में नेशनल कॉन्फ्रेंस ने 15 और कांग्रेस ने 12 सीटें जीतीं। पीडीपी ने 28 सीटें जीतीं और बीजेपी के साथ सरकार बनाई। लेकिन 2018 में अलग विचारधारा वाली दोनों पार्टियों के बीच गठबंधन टूट गया और जम्मू-कश्मीर को राष्ट्रपति शासन के अधीन कर दिया गया। 2019 में, संविधान के तहत दिए गए राज्य के विशेष दर्जे को ख़त्म कर दिया गया और इसे दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया गया।

यूपी के बाद अब मध्यप्रदेश में भेड़ियों का आतंक, एक ही परिवार के 5 लोगों पर बोला हमला

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार को एक परिवार के पांच सदस्यों पर भेड़िये ने हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए. हरसूद के पुलिस उपमंडल अधिकारी (एसडीपीओ) संदीप वासकाले ने संवाददाताओं को बताया कि घटना जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर आदिवासी बहुल खालवा तहसील के ग्राम मालगांव में तड़के करीब 2:30 बजे हुई.

एसडीओपी ने कहा, "परिवार के शोर मचाने के बाद पड़ोसी और अन्य लोग पहुंचे और भेड़िये को भगाया. इस हमले में एक महिला और चार पुरुष घायल हुए हैं. उनका खंडवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज जारी है."प्रभागीय वन अधिकारी राकेश दामोर ने संवाददाताओं को बताया कि घायलों को रेबीज के टीके और दवाइयां दी गई हैं.

दामोर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "जंगली जानवर को अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है. उसका पता लगाने के प्रयास जारी हैं. पीड़ितों के अनुसार यह एक जानवर है (और झुंड नहीं). हालांकि, यह निश्चित रूप से कहना मुश्किल है कि यह भेड़िया था."डीएफओ ने कहा, "सोशल मीडिया पर प्रसारित कथित वीडियो क्लिप के आधार पर यह कहना जल्दबाजी होगी कि वह कौन सा जानवर था.

वीडियो में मुझे वह जानवर सियार जैसा दिखाई दे रहा है, जो भेड़िये से थोड़ा छोटा है." यह घटना ऐसे समय में हुई है जब पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के बहराइच में भेड़ियों के हमले राष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियां बटोर रहे हैं. अधिकारियों के अनुसार, पिछले दो महीनों में बहराइच जिले में भेड़ियों के हमलों में सात बच्चों सहित आठ लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि करीब तीन दर्जन लोग घायल हुए हैं.

मेट्रो के निर्माण के दौरान क्षतिग्रस्त जर्जर हुए मकान, विधायक अमिताभ बाजपेई ने उठाई आवाज

बीपीएस न्यूज

कानपुर। मेट्रो का निर्माण अंडरग्राउंड खुदाई से कानपुर शहर के कई मकान गिर गए एवं क्षतिग्रस्त हुए जिसका उदाहरण हरबश मौहाल मे देखा जा सकता है इसी प्रकरण में लखनऊ सचिवालय में प्रमुख सचिव आवास एवं शहरी कल्याण नितिन रमेश गोकर्ण एवं विशेष सचिव आवास उदयभान त्रिपाठी से विधायक अमिताभ बाजपेई ने मिलकर कानपुर में मेट्रो के निर्माण के दौरान हरबंस मोहाल क्षेत्र में पूर्ण रूप से गिरे हुए 02 मकान, गम्भीर रूप से क्षतिग्रस्त 03 मकान एवं अन्य मकानों के ज्वाइंट सर्वे कराने मकान विधायक अमिताभ बाजपेई ने उठाई आवाज जिलाधिकारी के द्वारा नामित मजिस्ट्रेट, केडीए के इंजीनियर, पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर, मेट्रो के इंजीनियरों की संयुक्त टीम बनाकर के जांच कराने की मांग की, जिस पर उन्होंने तुरंत आदेश करके 10 दिनों में रिपोर्ट तलब की है। साथ ही शिवाला बाजार के उच्चीकरण एवं मल्टीलेवल पार्किंग बनाने हेतु भी प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

पुलिस उपायुक्त पूर्वी ने डीजे संचालकों, बैंड वालों, लाउडस्पीकर वालों के साथ की बैठक

कानपुर। आगामी त्यौहार पर निकलने वाले शोभा यात्रा/ जुलूसो में डीजे ,बैंड बाजा और लाउडस्पीकर आदि के व्यापक उपयोग से आम जनमानस को होने वाली असुविधा के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्रवण कुमार सिंह द्वारा डीजे संचालकों, बैंड वालों, लाउड स्पीकर वालो के साथ मीटिंग की एवं सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। शोभायात्राओं और जुलूसों के दौरान ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए डीजे और लाउडस्पीकर की ध्वनि सीमा का सख्ती से पालन करने का निर्देश दिए।

जिससे स्थानीय लोगों को शोर से परेशानी न हो और उपयोग के लिए एक निर्धारित समय सीमा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। ?संचालकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि धार्मिक या सामाजिक कार्यक्रमों के दौरान ध्वनि उपकरणों का उपयोग करते समय स्थानीय समुदाय की भावनाओं का सम्मान किया जाए

और किसी भी प्रकार की असहमति या विवाद से बचा जाए। ?सभी डीजे संचालकों और बैंड वालों को कानूनी अनुमति और नियमों का पालन करने को कहा गया। सभी संचालकों से अनुरोध किया गया कि वे अपने उपकरणों का इस्तेमाल जिम्मेदारी से करें। पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्रवण कुमार सिंह का मीटिंग का उद्देश्य त्योहारों के दौरान उत्सव का माहौल बना रहे और साथ ही स्थानीय लोगों की शांति और सुरक्षा भी सुनिश्चित हो।

बुजुर्ग माता पिताओं को आर्थिक मदद दे लिया आशीर्वाद, नम हुई आंखें

कानपुर। शिक्षक दिवस की पूर्व संध्या पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा जिलाध्यक्ष मनोज भदौरिया के द्वारा सैकड़ो बुजुर्ग माता पिता को दूध ब्रेड बिस्किट फल आइस ड्रॉप सहित धनराशि भेंटकर आशीर्वाद लिया। इस मौके पर मनोज भदौरिया ने बताया कि मां प्रथम शिक्षिका होती हैं और पिता प्रथम गुरु होता है। मां छांव होती हैं और पिता धूप होता है। मां धरती है तो पिता आकाश है। युवा पीढ़ी को संदेश देते हुए मनोज भदौरिया ने कहा की जीवन तभी आपका पूर्ण होगा जब बुजुर्गों का आप ख्याल और सम्मान रखेंगे।

शिक्षक सम्मान समारोह में सम्मानित हुए गुरुजन, गुरु भक्ति भाव जगाने का शिक्षक दिवस

बीपीएस न्यूज

कानपुर। आर एस पब्लिक स्कूल बर्रा में शिक्षक सम्मान समारोह का कार्यक्रम आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री एवं विधायक महेश त्रिवेदी एवं अध्यक्ष वी के मिश्र ने सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर द्वीप प्रज्वलित किया।

डायरेक्टर अनिकेत मिश्रा ने बताया कि शिक्षक दिवस गुरु भक्ति का भाव जगाने का दिवस है शिक्षक संस्कृति संस्कार एवं चरित्र का दर्पण होता है वह ऐसा प्रकाश है जिसमें समस्त राष्ट्र अपना प्रतिबिंब देखा है छात्र अपना आदर्श देखता है और शिक्षक समाज के

तेजोदीप व्यक्तित्व का नाम है अध्यक्ष वी के मिश्रा ने अंत में सभी शिक्षक शिक्षकाओ को उनके शिक्षण कार्य को सर्वोपरि मानने के लिए एवं उनके अथक परिश्रम और लगन के लिए धन्यवाद देते हुए शिक्षक महान होते हैं। कहकर कार्यक्रम को समाप्त किया। इस दौरान मुख्य रूप से प्राची मिश्रा प्रधानाचार्या रचना दीक्षित प्रधानाचार्य रोली त्रिपाठी राकेश कुमार द्विवेदी सुरजन लाल तेजस्वी पांडे मनमिंदर सिंह राजीव दत्त सहित काफी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

उर्सला अस्पताल में इलाज के दौरान धांधली के विरोध में धरना प्रदर्शन सौंपा ज्ञापन

कानपुर। भारतीय दलित पैंथर के तत्वावधान में यूएचएम हॉस्पिटल (उर्सला अस्पताल) कानपुर में वहां के डाक्टरों, कर्मचारियों व दलालों द्वारा मरीजों से ऑपरेशन, सर्जरी, दवा व उपकरण सभी में कमीशन खोरी रिश्वतखोरी ऑपरेशन के नाम पर रुपए लेकर ऑपरेशन करना, सर्जरी में उपकरण व दवा के नाम पर रूपये वसूलना, आयुष्मान कार्ड होने उपरांत ऑपरेशन में रुपए की मांग करना के विरोध में अधीक्षक (उर्सला अस्पताल) को ज्ञापन के माध्यम से भ्रष्टाचार को अवगत कराया गया व मांग की गई कि भ्रष्टाचार में संलिप्त डाक्टरों, कर्मचारियों व दलालों के विरुद्ध कार्यवाई की जाये।

ज्ञापन में प्रमुख रूप से सैय्यद तौफीक अहमद, पास्टर जीतेंद्र सिंह, पास्टर ए बी सिंह, पास्टर रवि, एड नवीन गौतम, उमेश पैंथर, प्रभु दयाल आदिम,विनय सेन, कुनाल, बबलू बाल्मीकि, बीरेंद्र बहुजन,सोहन भारतीय,रवि गौतम, मोहित बहुजन, बृजेश गौतम, आदि लोग उपस्थित रहे।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में विकास कार्यों की हुई समीक्षा बैठक, दिए गए निर्देश

आधारभूत संरचना का बेहतर विकास व कार्य प्रणाली में नवाचार का अधिक से अधिक प्रयोग हो : मण्डलायुक्त

कानपुर। मण्डलायुक्त, कानपुर मण्डल, कानपुर की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा में मण्डल के समस्त जिलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों, संयुक्त विकास आयुक्त तथा सम्बन्धित समस्त मण्डलीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया। मण्डलायुक्त द्वारा निम्नलिखित महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए जिलाधिकारी कानपुर नगर आसरा आवास के लाभार्थियों को तत्काल आवास आवंटित करें। जिलाधिकारी कानपुर नगर, नगर आयुक्त, कानपुर नगर निगम एवं मुख्य अभियन्ता लोक निर्माण विभाग मेट्रो द्वारा अतिक्रमित मार्गों का अनुश्रवण करके, अनावश्यक अतिक्रमण से मार्ग को मुक्त कराना सुनिश्चित करें। मुख्य अभियन्ता लोक निर्माण विभाग जिलाधिकारी औरैया के वार्ता करके औरैया जनपद की क्षतिग्रस्त मार्गों को मोटरेबल कराएं मुख्य अभियन्ता लोक निर्माण विभाग एवं जिलाधिकारी कानपुर नगर कल्यानपुर-शिवली-शिवराजपुर मार्ग को अतिक्रमण मुक्त कराएं। जिलाधिकारी कानपुर नगर 100 शैय्या चिकित्सालय, मौरंग मण्डी, कानपुर नगर के संचालन हेतु पद सृजन/तैनाती हेतु प्रस्ताव शासन को प्रेषित करें। जिलाधिकारी यह सुनिश्चित करें कि ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र के विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों के परिसर तथा परिसर के बाहर आस-पास किसी भी प्रकार का जल भराव एवं गन्दगी नहीं रहे। डेंगू प्रभावित क्षेत्र में तत्काल स्वास्थ्य विभाग की टीम भेजी जाए तथा एण्टीलार्वा का छिड़काव किया जाए। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यालयों तथा आंगनबाड़ी केन्द्रों में नामांकित बच्चों के सापेक्ष बच्चों की उपस्थिति जनपद औरैया, इटावा एवं कानपुर नगर में कुछ कम है। सभी जिला कार्यक्रम अधिकारी, बेसिक शिक्षा अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी नामांकन के सापेक्ष शत-प्रतिशत बच्चों की उपस्थिति सुनिश्चित कराएं। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेस-2 के अन्तर्गत ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबन्धन के अन्तर्गत ग्रामों में शत-प्रतिशत गृहों एवं प्रतिष्ठानों से अपशिष्ट संग्रहण किया जाए। अपशिष्ट फैलाने वालों के विरुद्ध तत्काल अर्थदण्ड की कार्यवाही की जाए। मण्डलायुक्त ने निर्देशित किया कि जिलाधिकारी एवं अपर निदेशक पशुपालन निराश्रित गोवंश को संरक्षित कराएं। समस्त प्रकार के पेंशन के लाभार्थियों के आवेदन पत्रों का समय पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। मार्गों के निर्माण के दौरान रोडसेफ्टी मेजर, मानक के अनुसार उपायों को किया जाए। निर्देशित किया कि वर्षा से क्षतिग्रस्त मार्गों को तत्काल दुरुस्त किया जाए। कायाकल्प योजना के तहत प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों का सुदृढ़ीकरण किया जाए। अंलकार योजना के तहत माध्यमिक शिक्षा के विद्यालयों का सुदृढ़ीकरण किया जाए।

पब्लिक स्कूलों में मासिक बढ़ती हुई फीस से पीडीए परिवारों की आर्थिक भयावह स्थिति बढ़ रही है

सपा बी एल ए मतदाता सूची में ऑनलाइन नाम दर्ज कराने के लिए कंप्यूटर कैंप लगाएंगे

नगर निगम को बढ़ती आय के बावजूद भी मोहल्लों में सफाई नहीं दूषित पेयजल की आपूर्ति से बीमारियां फैल रही हैं- हाजी फजल महमूद

बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाजवादी पार्टी कानपुर महानगर के पदाधिकारी कार्य समिति के सदस्यों फ्रंटल प्राधिकारियों 88 वार्ड अध्यक्षो राष्ट्रीय व प्रांतीय विशेष आमंत्रित पदाधिकारियों सेक्टर जोनल प्रभारियों की मासिक बैठक सपा महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद की अध्यक्षता में शाम 4:00 बजे सपा कार्यालय 7 नवीन मार्केट में आरंभ हुई।

बैठक का संचालन महानगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू ने किया बैठक को संबोधित करते हुए महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने कहा कि पब्लिक स्कूलों में मासिक बच्चों की फीस में बेताहाशा वृद्धि स्कूलों द्वारा कर दिए जाने से पीडीए परिवारों पर बेवजह बेताहाशा आर्थिक बोझ बढ़ जाने से स्थित भयावाह बनती जा रही है कई क्षेत्रों में अभिभावक बच्चों को विद्यालयों से हटाने का मन बना रहे हैं लेकिन सरकार इस ओर ध्यान न देकर अनदेखी कर रही है।

सपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता नीतेंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा सरकार पिछड़े अल्पसंख्यकों को झूठे मुकदमे में फंसा रही है तथा प्रदेश में दहशत का माहौल बनाकर पिछड़ों के साथ अन्याय कर रही है। बैठक में महानगर अध्यक्ष हाजी फजल महमूद प्रदेश सचिव के के शुक्ला नीतेंद्र यादव वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू नंदलाल जयसवाल रजत मिश्रा आनंद शुक्ला महेंद्र सिंह बड़े ठाकुर परमवीर सिंह गंभीर फकरे आलम अंसारी सत्यनारायण गहरवार हाजी एहसान खान अर्पित त्रिवेदी अरमान खान दीपक खोटे शादाब आलम के के मिश्र रमेश यादव मुमताज मंसूरी शादाब खान शरद पांडे राजू पहलवान अंसारी अमरजीत यादव राजेंद्र सोनकर अमित चौरसिया मनोज चौरसिया महेश यादव चंदन बादशाह ऋषि पाल विराट तोमर मुन्ने खा वीरपाल सिंह मोनू विश्वकर्मा इशरत इराकी मोहम्मद जुनैद इसरार अहमद योगेंद्र यादव चंदी गुप्ता संजय निषाद मोहम्मद नसीम संतोष पांडे आदि लोग प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

विधायक सुरेंद्र मैथानी ने 23 रोगियों को सीएम से दिलाए 36.61 लाख रुपये

बीपीएस न्यूज

कानपुर। गोविंदनगर विधायक सुरेंद्र मैथानी ने गंभीर बीमारियों से जूझ रहे 23 लोगों को इलाज के लिए 36 लाख 61 हजार 140 रुपये की आर्थिक मदद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से दिलवाई है। इससे पहले भी वे 15 बार गरीबों को इलाज के लिए करोड़ों रुपये मुख्यमंत्री से दिलवा चुके हैं। विधायक मैथानी के अथक प्रयास से इन बीमार लोगों को नये जीवन की आस बंधी है। विधायक ने कहा कि उन्हें पुनः यह ईश्वरीय कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ है। हमारे संकल्प को सिद्धि तक पहुंचाने वाली यह सेवा ईश्वर के चरणों में समर्पित है। गरीबों, जरूरतमंदों की जान तो ईश्वर बचाएगा, लेकिन परमात्मा ने हमे माध्यम बनाकर पुण्य का भागीदार बनाया, यह हमारे ऊपर प्रभु का उपकार है। विधायक ने बताया कि यह सोलहवीं बार है जब 23 पीड़ित व्यक्तियों के इलाज के लिए आर्थिक मदद मुख्यमंत्री से स्वीकृत कराई है। उन्होंने कहा कि सड़क, नाली, खरंजा, पार्क, पुल, पेयजल, सीवर आदि की मूलभूत सुविधाएं जनता का अधिकार हैं, जिसे हम जनप्रतिनिधियों को हरहाल में उन्हें दिलाना चाहिए लेकिन यदि हम किसी परिवार के सदस्य की जान बचाने में आर्थिक और भौतिक रूप से सहयोग करें तो इससे बड़ा पुण्य का काम दूसरा नहीं हो सकता। हम यह कार्य निरंतर जारी रखेंगे। पीड़ित व्यक्ति किसी भी धर्म, क्षेत्र, भाषा का हो, उसके सहयोग के दृढ़ संकल्प को आगे बढ़ाते रहेंगे। विधायक ने कहा कि इस पुनीत कार्य में उन्हें मुख्यमंत्री का आशीर्वाद लगातार मिल रहा है। इसके लिए उन्होंने गरीब भाई बहनों की ओर से सीएम योगी का आभार भी जताया।

प्रकाशित उपन्यास ज़िन्दगी की आहट का किया विमोचन

कानपुर। यूनाइटेड पब्लिक स्कूल प्रेक्षागार में रूपीना मिश्रा द्वारा लिखित किताब घर प्रकाशन द्वारा प्रकाशित उपन्यास जिन्दगी की आहट का विमोचन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि देवेन्द्र सिंह भोले एवं विशिष्ट अतिथि नीलिमा कटियार एवं कार्यक्रम अध्यक्ष आई0एम0 रोहतगी की उपस्थिति में डॉ0 राकेश शुक्ला ने पुस्तक की आलोचनात्मक समीक्षा सबके सम्मुख प्रस्तुत की, अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जिन्दगी की आहट लेखिका रूपीना मिश्रा का रोचक उपन्यास है। कॉलेज के दिनों की तीन सहेलियों की इस कहानी को अतीत और वर्तमान की आवाजाही के बीच लेखिका ने जिस सघन और सलिष्ट तरीके से एकान्वित किया है, वह सराहनीय है। किस्सागोई का अलग ढंग भी पाठकों को आकर्षित करता है। मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं कार्यक्रम अध्यक्ष ने लेखिका के उपन्यास के लिए बधाई दी और उज्वल भविष्य की कामना की, रूपीना मिश्रा ने बताया, शब्दों से सदा दोस्ताना रहा, कभी पढ़े, कभी लिखे तो कभी गुने, कभी खाली पन्नों पर मोती से बिखेर दिए अदिती और अरूणिमा के सुन्दर संचालन में कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिए, वहीं लगे स्टॉल से आये हुए अतिथियों ने पुस्तक लीं और शुभकामनायें दी। मुख्य रूप से डॉ0 श्यामबाबू गुप्ता एवं विनोद श्रीवास्तव ने किताब के अंश पढ़े।

महिला सुरक्षा के विषय में दी गई विस्तृत जानकारी

बीपीएस न्यूज

कानपुर। उत्तर प्रदेश शासन के दिशा-निर्देशों के क्रम में अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण अंकिता शर्मा व अपर पुलिस उपायुक्त महेश कुमार द्वारा हैलट अस्पताल में लगभग 200 महिला चिकित्सकों व अन्य महिला कर्मियों को महिला उत्पीड़न व हिंसा रोकने हेतु तत्परता पूर्वक प्रभावी कार्यवाही, प्रभावी आपात कालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल, मजबूत सुरक्षा उपाय, नियमित सुरक्षा ऑडिट, तथा महिला हेल्प लाइन, सहायता सेवाओं वोमेन पावर लाइन 1090 , Call 112 , साइबर हेल्पलाइन-1930, महिला सुरक्षा के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

अधिवक्ता पेंशन देने वाला झारखंड बना देश का पहला राज्यः पं रवीन्द्र शर्मा

प्रदेश में भी शुरू हो अधिवक्ता पेंशन

कानपुर, सी एस जे एम विश्वविद्यालय के पीछे अधिवक्ता उपेंद्र के कार्यालय पर अधिवक्ता संगठन की बैठक में अधिवक्ता पेंशन पर बोलते हुए पंडित रवीन्द्र शर्मा पूर्व अध्यक्ष लायर्स एसोसिएशन ने बताया कि सुबह राज्य विधिज्ञ परिषद झारखंड के अध्यक्ष राजेंद्र कृष्ण ने फोनवार्ता पर बताया कि हमारा वर्षों का संघर्ष सफल हुआ। झारखंड सरकार ने अधिवक्ता पेंशन योजना को स्वीकृति दे इसी वर्ष से योजना को लागू भी कर दिया है। अब 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के अधिवक्ताओं को लाइसेंस सरेंडर करने पर रु 14000 प्रतिमाह पेंशन मिलेगी। साथ ही झारखंड सरकार नवागंतुक युवा अधिवक्ताओं को प्रथम 3 वर्ष तक रु 5000 प्रति माह भत्ता भी देगी दी और अधिवक्ताओं को इलाज के लिए रुपया 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा भी जारी कर दिया है योजनाओ के सुलभ क्रियान्वन हेतु करोड़ों की धनराशि भी आवंटित कर दी है। जिसपर कानपुर के अधिवक्ताओं की ओर से राजेंद्र कृष्ण चेयरमैन राज्य विधिज्ञ परिषद झारखंड को बधाई दी। इस्प्राकार झारखंड अधिवक्ता पेंशन देने वाला देश का पहला राज्य बन गया है जिसके लिए हम झारखंड सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं।

हमारी योगी सरकार से मांग है कि हमारी वर्षों से चल रही पेंशन की मांग को स्वीकार करते हुए वरिष्ठ/ बुजुर्ग अधिवक्ताओं को सम्मान से जीने के लिए प्रदेश में भी अधिवक्ता पेंशन योजना रु 15000 लागू करने के साथ अधिवक्ता स्वास्थ्य बीमा और नवागंतुक युवा अधिवक्ताओं को प्रथम 5 वर्ष तक रु 10 हजार प्रतिमाह भत्ता प्रदान करे।

प्रमुख रूप से संजीव कनोजिया (वर्तमान) अरविंद दीक्षित (पूर्व) उपाध्यक्ष बार एसोसिएशन प्रशांत शुक्ला अतुल सिंह आशीष गुप्ता संजीव कपूर विशाल कनोजिया नीरज निषाद रमाकांत मिश्रा सुरेंद्र कुशवाहा हिमाचल निषाद रुखसार अहमद राकेश विवेक आदि रहे।

रंजिशन के चलते चापड़ और चाकू से युवक पर हमले के आरोपी सगे भाई गिरफ्तार

बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्याणपुर पुलिस ने रंजिश में युवक पर जानलेवा हमला करने के आरोपी सगे भाइयों को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया। लाठी-डंडा और चापड़ से हमला कर अधमरा कर दिया था।

इसके बाद से सभी आरोपी फरार चल रहे थे। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

बैरी कल्याणपुर में रहने वाले अरविंद ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले सचिन दागा उनके परिवार से रंजिश रखता है। सचिन दागा के खिलाफ पूर्व में भी कई मुकदमे दर्ज करवा चुके हैं। मुकदमा वापस लेने को लेकर सचिन का परिवार लगातार दबाव बना रहा है। 6 सितंबर को पुलिस की तैयारी कर रहा अमित एनएसआई मैदान के पास दौड़ लगा रहा था। इस दौरान घात लगाए बैठे पड़ोसी सचिन उर्फ दागा, रवि, ऋषभ, अशोक, सुबोध और प्रियंका ने लोहे की रॉड व लाठी-डंडा लेकर हमला बोल दिया। अमित को जान से मारने की नीयत से इस कदर पीटा और चापड़ से हमला किया कि मरणासन्न हो गया। आरोपी उसे मरा समझकर भाग निकले। क्षेत्रीय लोगों की सूचना पर परिवार के लोग पहुंचे और पुलिस को मामले की जानकारी परिवार के लोग पहुंचे और पुलिस को मामले की जानकारी दी।

इसके बाद पुलिस ने इन सभी आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास, जान से मारने की धमकी, गाली-गलौज करने के साथ ही अन्य गंभीर धाराओं में एफआईआर दर्ज की थी। एसपी कल्याणपुर अभिषेक पांडेय ने बताया कि रविवार को दो आरोपी ज्ञान सिंह के बेटे सुबोध और ऋषभ को अरेस्ट कर लिया। इसके बाद दोनों को जेल भेज दिया गया। अन्य की तलाश में पुलिस की टीमें दबिश दे रही हैं। जल्द ही अन्य आरोपियों को भी अरेस्ट करके जेल भेजा जाएगा।

राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने आयोजित किया समस्या समाधान शिविर

रोजगार हेतु ऋण के लिए 40 दिव्यांगजन को वितरित किये गये फार्म, दी गई सरकारी योजनाओं की जानकारी

दिव्यांग पेंशनर एन.पी.सी.आई. करवा लें नहीं तो रूकेगी पेंशन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। रोजगार के लिए दिव्यांगजन बीस लाख तक के ऋण के लिए आवेदन कर सकते है। राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी ने आज शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क बगिया गेट नम्बर 4 में शिविर का आयोजन किया।जिसमें रोजगार के लिए राष्ट्रीय दिव्यांग वित्त विकास निगम 18 , जिला उधोग केन्द्र 6, जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कार्यालय 4 व राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के 12 आवेदन वितरित किये गये। आवेदन पूर्ण करवाकर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के माध्यम से बैंकों को भेजे जायेगें।आज के शिविर में दिव्यांग पेंशनरों को एन.पी.सी.आई. करवाने की जानकारी देने के साथ ही दिव्यांग पेंशन, रेलवे रियायत, रेलवे यूनिक कार्ड, यू.डी.आई.डी. कार्ड व कृतिम अंग उपकरण के आवेदन भी भरेगये।राष्ट्रीय दिव्यांग पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार ने बताया कि रोजगार के लिए ऋण हेतु दिव्यांगजन आय प्रमाण पत्र, दिव्यांग प्रमाण पत्र, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंक पासबुक, फोटो, आधार कार्ड लेकर किसी भी दिन सुबह 9 से 11 बजे तक शास्त्री नगर सेन्ट्रल पार्क बगिया गेट नम्बर 4 में सम्पर्क कर सकते हैं।आज के शिविर में राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार के अलावा जिला अध्यक्ष राहुल कुमार, अल्पना कुमारी, अरविन्द सिंह, रोली शुक्ला, वैभव दीक्षित, गौरव कुमार, रंजीत कुमार, अनुराधा गुप्ता, मीरा कुशवाहा, गोमती, सरला, सीमा आदि शामिल थे।

एथलेटिक्स एसो. करेगा विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन

कानपुर,। कानपुर मास्टर्स एथलेटिक्स एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारियो एवं सदस्यों की एक आवश्यक बैठक लघु शस्त्र निर्माणी के क्रीड़ा ग्राउंड में संपन्न हुई, सभी उपस्थित सदस्यों ने सर्वसम्मत से निर्णय लिया कि आगामी 22 सितंबर को देश के पटल पर कानपुर महानगर का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों एवं उनको प्रशिक्षित करने वाले प्रशिक्षकों का सम्मान संस्था करेगी, उसके बाद अक्टूबर में मंडल एथलेटिक चैंपियनशिप तत्पश्चात चिल्ड्रन एथलेटिक चैंपियनशिप नवंबर माह में कानपुर मंडल वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप तत्पश्चात दिसंबर में कानपुर मंडल शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन कानपुर मास्टर्स एथलेटिक एसोसिएशन द्वारा संपन्न होगा, बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष नीरज शर्मा एवं संचालन संस्था के सचिव विनय अवस्थी के द्वारा किया गया।बैठक में प्रमुख रूप से नरेश चंद्र बाजपेई ,जगन्नाथ यादव, जितेंद्र तोमर, अरविंद कुमार सिंह ,सुनील यादव ,शैलेश कुमार, नितिन गोड, पंचू सिंह, ओम प्रकाश, अमर सिंह ,दिलीप तिवारी ,यशवंत श्रीवास्तव, शुभाशीष ,अखिल खरे, मुन्नालाल, राजेश सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

संगीतमय सुन्दरकाण्ड व भजन संध्या का हुआ आयोजन

बीपीएस न्यूज

कानपुर। श्री जयतु जगदीश मण्डल सेवा समिति व श्री जयतु जगदीश महिला मण्डल के द्वारा संगीतमय सुन्दरकाण्ड व भजन संध्या का आयोजन रविवार को श्री सालासर बालाजी मन्दिर (कमला टावर) के प्रांगण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम मममें शिरकत करने शहर के गणमान्यो में महापौर प्रमिला पाण्डेय, एम.एल.सी सलिल विश्नोई, विधायक अमिताभ बाजपेई, डॉ. सुरेश अवस्थी पहुंचे।

संगीतमय सुन्दरकाण्ड पाठ व कार्यक्रम में महिला मण्डल द्वारा मण्डल के बच्चों ने भगवान श्रीराम हनुमान व गणेश जी से जुड़ी झांकी व सुन्दर नृत्य की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में सैकड़ों भक्तों ने शामिल होकर सुन्दरकाण्ड पाठ व भजनों का रसपान किया। संस्था की तरफ से कार्यक्रम में आए सभी बद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। सालासर बालाजी महाराज को आलौकिक अंगार व छप्पन भोग का प्रसाद अर्पण किया गया। कार्यक्रम में महिला मण्डल की अध्यक्षा सीमा गुप्ता व मंत्राणी हेमा ओमर ने प्रोग्राम शामिल बच्चों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से डा0 स्याम बाबू गुप्ता, विनोद गुप्ता (दशेत्रीय संयोजक, भाजपा), हरीश्याम गुप्ता, पार्षद अमित गुप्ता, विकास जायसवाल, अभिषेक गुप्ता मोनू, शिवम दीक्षित, प्रेम सागर गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, जय नारायण गुम मयंक सक्सेना, कृष्ण कुमार गुप्ताआदर्श गुप्ता संस्था के अध्यक्ष सत्य नारायण गुप्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत व सत्कार किया। महामंत्री अनूप कुमार गुप्ता व कोषाध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता श्राधाश् ने माला व पट्का पहनाकर सभी अतिथियों का सम्मान किया।

त्योहारों पर सतर्क दृष्टि रखते हुए उचित बंदोबस्त करने के दिए निर्देश

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण रवीन्द्र कुमार द्वारा दक्षिण जोन के सहायक पुलिस आयुक्त घाटमपुर, नौबस्ता व सभी एसएचओ 'S/एसओ'S से साथ अपराध गोष्ठी कर आगामी त्यौहार जैसे - गणेश विसर्जन व बारावफात एवं आगामी विश्वकर्मा जंयती पर सतर्क दृष्टि रखते हुए उचित बंदोबस्त करने के निर्देश दिये। ऑपरेशन मैत्री के तहत महिला उत्पीड़न व हिंसा रोकने हेतु तत्परता पूर्वक प्रभावी कार्यवाही, प्रभावी आपात कालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल, मजबूत सुरक्षा उपाय, से सम्बन्धित वार्ता की गई और महिला अपराधों पर त्वरित कार्यवाही, अवैध शराब पर पूर्ण अंकुश, अभिसूचना तंत्र मजबूत करने के निर्देश दिये गये।

मीटिंग के दौरान ऑपरेशन त्रिनेत्र, बीट पुलिस अधिकारी, एनबीडब्ल्यू, आजीआरएस, 112, जन सुनवाई, प्रार्थनापत्रों, विवेचनाओं , जमीनी विवाद, निरोधात्मक कार्यवाही, यातायात व्यवस्था, आदि की समीक्षा व अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियन्त्रण एवं शान्ति-व्यवस्था बनाये रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

अब पुलिस नहीं करेगी उत्पीड़न...टेंपो और ऑटो के 20 स्टैंड चिह्नित, इतने रूटों पर होगा सवारी वाहनों का संचालन

कानपुर। शहर में टेंपो और ऑटो संचालन के लिए 20 स्टैंड चिह्नित किए गए हैं। इन स्टैंडों पर यात्री सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने नगर निगम को पत्र लिखा है। कुछ समय पूर्व टेंपो-आटो टैक्सी संयुक्त मोर्चा ने पुलिस कमिश्नर से स्टैंड निर्धारित करने की मांग की थी। उनकी शिकायत थी कि नगर निगम द्वारा स्थापित वैध टेंपो, टैक्सी स्टैंडों पर सेवा संचालन में पुलिस उत्पीड़न करती है। टेंपो और ऑटो यूनियन की शिकायत के बाद पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने डीसीपी ट्रैफिक आरती सिंह को मामला सौंपा था। डीसीपी ट्रैफिक ने बताया कि नगर निगम की ओर से शहर में 20 आटो, टेंपो, टैक्सी स्टैंड चिह्नित किए गए हैं, इन स्थानों पर निगम से यात्री सुविधाओं के लिए मूलभूत सुविधाएं टिनशेड, पेयजल, शौचालय व बैठने की व्यवस्था विकसित करने के लिए कहा गया है।

पैदल गश्त कर संदिग्ध व्यक्तियों/ वाहनों की चेकिंग

कानपुर। पैदल गश्त-पुलिस कमिश्नरेट कानपुर के एसएचओ's/ एसओs द्वारा पुलिस बल के साथ अपने-अपने थाना क्षेत्रान्तर्गत आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत, अपराध और अपराधियों by पर लगाम लगाने एवं शान्ति/सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर प्रमुख चौराहों/बाजारो में पैदल गश्त किया गया एवं संदिग्ध व्यक्तियों/वाहनों की चेकिंग की गयी शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी पर निकलने वाले जुलूस ए मोहम्मदी व जश्ने चिरागा अपने पूर्व परम्पराओं के साथ मनाने की अपील

कानपुर। अपने तय कार्यक्रम के अनुसार विगत वर्षों की भांति जश्ने ईद मिलादुन्नबी को शायाने शान मनाएं जाने को लेकर कुल हिंद जमीअतुल आवाम उत्तर प्रदेश के तत्वाधान में जुलूस ए मोहम्मदी में शामिल होने वाली अंजुमनों एवं जश्ने चिरागा करने वाली कमेटियों उलमा, बुद्धिजीवियों के संग मीटिंग की गई।ज्ञात हो कि पैगंबर इस्लाम हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के यौमे पैदाइश (जन्मदिन) के मौके पर ईद मिलादुन्नबी मनाया जाता है जो इस वर्ष 16 सितंबर को मनाया जाएगा रूपम चौराहा स्थित गरीब नवाज हाल में मीटिंग का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता शहर काजी मुफ्ती साकिब मिस्बाही ने की, संगठन के जिम्मेदारों ने जश्ने चिरागा व जुलूस ए मोहम्मदी यादगार बनाने के लिए अपनी अपनी राय दी मीटिंग का नेतृत्व कर रहे आयोजक /महामंत्री महबूब आलम खान ने बताया शहर के विभिन्न इलाकों में बैठकों के माध्यम से समस्याओं की जानकारी ली जा चुकी है आज की मीटिंग इस वर्ष जश्ने चिराग एवं जुलूस ए मोहम्मदी को सयाने शान तरीके से मनाया जाए इसके लिए संगठन एवं शहर काजी द्वारा अंजुमनों के जिम्मेदारों को दिशा निर्देश भी दिए गए जिसमें कहा गया जुलूस में शामिल होने वाले सभी लोग अदब और एहतराम का मुजाहिरा पेश करते हुए जुलूस में चले अंजुमने ज्यादा से ज्यादा पैदल चले दुरु शरीफ सलातो सलाम नात शरीफ पढ़ते हुए जुलूस में शामिल हो जुलूस में शामिल होने वाली अंजुमन जुलूस आयोजक अपनी जिम्मेदारियां निभाते हुए वालंटियर लगाएं आगे पीछे के चक्कर में आपस में ना टकराए सिस्टम से जुलूस में शामिल हो बेहतर तरीका यह है कि जुलूस में छोटे-छोटे झंडा अपने हाथों में लेकर चले लोहे की छड़ आदि का इस्तेमाल हरगिस न करेंमुख्य रूप से शहर काजी मुफ्ती साकिब अदीब मिस्बाही नायब शहर काजी कारी सगीर आलम हबीबी महामंत्री महबूब आलम खान मौलाना असगर यार अल्वी मौलाना गुलाम मुस्तफा कारी अब्दुल मुत्तलिब मौलाना शाह आलम मौलाना अबरार कारी एहसान कारी मतलब मौलाना रजी कारी आरिफ रजा कादरी इस्लाम खान आजाद डॉक्टर निसार अहमद जियाउल हसमत अल्लन हाजी सलाउद्दीन हाजी सलीम शेर खान अलीम खान सर महमूद आलम अफजाल अहमद आदि मौजूद रहे।

शराब पीने के बाद नहर में लगाई छलांग...22 घंटे बाद घटनास्थल से पांच किमी दूर मिला युवक का शव

कानपुर। बिधनू थानाक्षेत्र के जमरेही में साथी के साथ शराब पीने के बाद राम गंगा नहर में नहाने के लिए कूदे युवक का लगभग 22 घंटे बाद रविवार को पांच किलो मीटर दूर शव उतराता मिला। पीएसी और पांच गोताखोरो की टीम ने पुलिस को शव मिलने की सूचना दी। जानकारी मिलते मौके पर पहुंची बिधनू पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है।बिधनू थानाक्षेत्र के दलनपुर गांव निवासी 40 वर्षीय राकेश राजपूत अविवाहित था। वह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण पोषण करता था। परिजनों के मुताबिक राकेश अपने साथी युवक पप्पू के साथ घर से निकला था, बीते शनिवार दोपहर लगभग 2.30 बजे राकेश व पप्पू बिधनू थाना क्षेत्र में स्थित जमरेही पुल के पास बैठकर शराब पी रहे थे। कुछ देर बाद राकेश ने नहर किनारे कपड़े उतारकर नहर में नहाने के लिए छलांग लगा दी। नशे में होने के चलते राकेश देखते ही देखते नहर में डूबने लगा। यह देख साथी पप्पू ने मदद के लिए शोर मचाया। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोग नहर किनारे पहुंचे। लेकिन तब तक राकेश नहर में डूबकर लापता हो गया था। ग्रामीणों ने घटना की सूचना पर पहुंची बिधनू पुलिस ने साथी पप्पू को पूछताछ के लिए हिरासत में लेकर बिधनू थाने आई है। पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर नहर में युवक की तलाश शुरू कराई थी। लगभग 22 घंटे बीतने के बाद युवक का शव पांच किलो मीटर दूरी पर मिला है। पीएसी और गोताखोरों ने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची बिधनू पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बिधनू थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि युवक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घटना की जांच की जा रही है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बी पी एस न्यूज
हिन्दी साप्ताहिक
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुदित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/ 2016/ 66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, सम्पादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502 , व्हाट्सअप 9335908846 email:bps.knp786@gmail.com info@bpsnews.in www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओं की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनों के अंदर भेजें।